



सत्य और असत्य की इस लड़ाई में भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा चुनाव आयोग: राहुल गांधी

नई दिल्ली: कांग्रेस की रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोरी महारैली के दौरान राहुल गांधी नेबीजेपी और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, ये सत्य और असत्य की लड़ाई और चुनाव आयोग इस लड़ाई में बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रहा है। इस दौरान राहुल गांधी नेकेंद्रीय गृहगृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जब तक सत्ता है केवल तभी तक अमित शाह बहादुर हैं। संसद में उनके हाथ कांप रहे हैं। राहुल गांधी नेकहा, मैंनेवोट चोरी को लेकर सवाल किए थे। उसकी सफाई कुछ दिनों बाद अमित शाह नेसंसद मेंदी।

उन्होंने कहा, सफाई देते हुए उनके हाथ कांप रहे हैं।

राहुल गांधी नेकहा, भाजपा के



पास सत्ता है, वोट चोरी करते हैं, चुनाव के समय वे 10 हजार रुपये देते हैं, उनके चुनाव आयुक्त हैं— ज्ञानेश कुमार, डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी। चुनाव आयोग—भाजपा सरकार

के साथ मिलकर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी नेइनके लिए कानून बदला, नया कानून लेकर आए और कहा कि चुनाव आयुक्त कुछ भी करेउनपर एक्शन नहीं लिया जा सकता, उनपर कार्रवाई

नहीं हो सकती। हम इस कानून को बदलेंगे और आपके खिलाफ एक्शन लेंगेक्योंकि हम सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे हैं और आप असत्य के साथ खड़े हो।

राहुल गांधी नेकहा, जब मैं

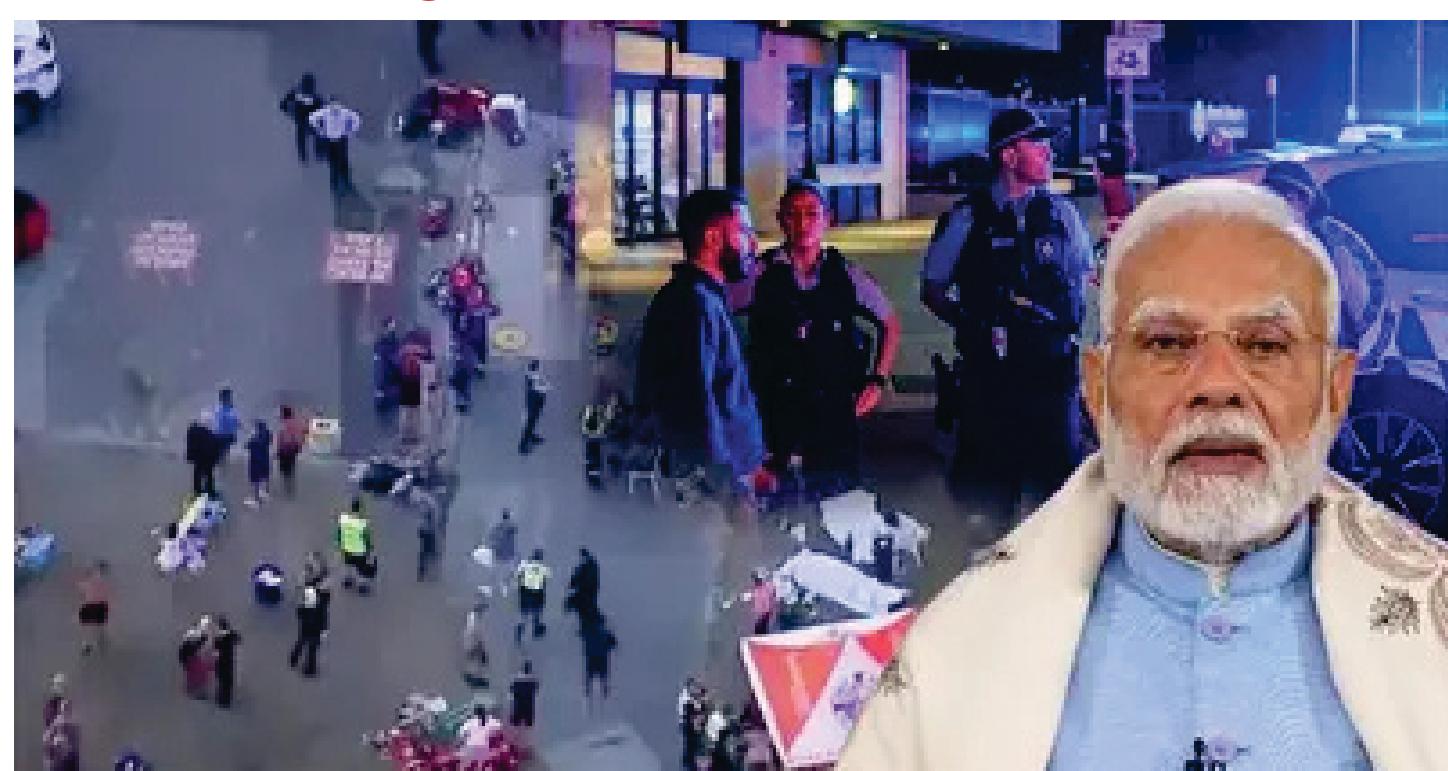
यहां आ रहा था तो मुझे बताया गया कि अंडमान निकोबार में मोहन भागवत ने एक बयान दिया है। गांधीजी कहते थे कि सत्य सबसेजरुरी चीज़ है, हमारे धर्म में सत्य को सबसेजरुरी माना जाता है लेकिन मोहन भागवत का बयान सुनिए— 'विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति हैउसे माना जाता है।' यह मोहन भागवत की सोच है, यह की विचारधारा है। हमारी, हिंदू धर्म और दुनिया के हर धर्मकी विचारधारा यह कहती है कि सत्य सबसेजरुरी हैलेकिन मोहन भागवत कहते हैंसत्य का कोई मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है। मैंआपको गारंटी देता हूं कि हम सत्य को लेकर, सत्य के पीछे खड़े होकर, नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आरएसएस की सरकार को सत्ता सेहटाएंगे एं।

प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आज हुए भयावह आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। यह हमला यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन का उत्सव मना रहे लोगों को निशाना बना कर किया गया था।

इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए, श्री मोदी ने भारत के लोगों की ओर से उन परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में भारत ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़ा है।

इस मुद्दे पर भारत के अटूट रुख को पुनः स्पृश्ट करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति रखता है और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ वैश्विक संघर्ष का



दृढ़तापूर्वक समर्थन करता है।

एक्स पर एक पोर्ट पर श्री मोदी ने लिखा: "ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर आज हुए भयावह गया। भारत के लोगों की ओर से, मैं उन परिवारों के प्रति अपनी

करता हूँ जिसमें यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन का उत्सव मना रहे लोगों को निशाना बनाया गया। भारत के लोगों की ओर से, मैं उन परिवारों के प्रति अपनी

हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत

आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति रखता है और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है।"

Delhi's Air Crisis: From Emergency to Action



Delhi is once again struggling to breathe, but this time the danger feels deeper and more urgent. Toxic air has turned daily life into a health risk. Government hospital records showing over two lakh patients with serious respiratory problems make it clear that pollution is no longer seasonal—it is a permanent threat to the city's health and future. Air-quality levels have repeatedly fallen into the "very poor" and "hazardous" categories. These microscopic pollutants enter the lungs, affect the bloodstream, and strain the heart, causing cough, breathlessness, chest tightness, and long-term illnesses. The causes—Diwali smoke, stubble burning, construction dust, traffic emissions, and winter weather—are familiar. What is dangerous is that we have begun accepting them as normal. Conflicting pollution data from different monitoring agencies adds to the problem. Without accurate and transparent information, people underestimate the risk and fail to protect themselves. Pollution affects everyone, but children, the elderly, pregnant women, and outdoor workers suffer the most. Long-term exposure to PM2.5 is linked to heart disease, diabetes, memory loss, and reduced life expectancy—damage that builds silently over time. Against this backdrop, the high-level review meeting chaired by Union Environment Minister Bhupender Yadav on December 3, 2025, is significant. The focus on dust control, transport reform, industrial compliance, stubble management, and school eco-clubs shows official awareness. However, awareness must now translate into visible, time-bound action on the ground. Blaming farmers alone for stubble burning is neither fair nor effective. Regional cooperation, support systems, and affordable alternatives are essential. Delhi must also accelerate its shift toward cleaner transport and reduce dependence on diesel vehicles and generators. Clean air is not just an environmental issue—it is a public health and economic emergency. A modern city cannot thrive if its people cannot breathe safely. Delhi's future depends on decisive action, transparency, and collective responsibility—and that future must begin now.

आरिफ़ मुहम्मद खान भी आये जिहाद के सर्थन में



Ali Aadil Khan, Editor

जिहाद पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा, मौलाना मदनी और मौलाना नदवी पर भड़काव बयानात का आरोप लगाया जा रहा है. हमने बार बार कहा है जिहाद जितना भ. अरत में बोला गया या बोला जाता है इतना 57 मुस्लिम देशों में मिलाकर भी आयद इसका जिक्र नहीं होता होगा ... जरा सोचो अगर इसपर अमल हो जाता तो क्या होता ??

इसके बर खिलाफ की रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ 1,165 की घटनाएँ दर्ज की गयीं, जबकि 2023 में इन घटनाओं की संख्या 668 थीं यानी सिर्फ एक साल में 74.4% की वृद्धि बताती है की देश में नफरत के बाजार को कितना बढ़ाया गया है।

2020 दिल्ली दंगों के बाद, कई नेताओं ने संसद में बताया कि Phate speechे ने ही दिल्ली दंगों में हिंसा को हवा दी। संसद ने बताया कि दंगों से पहले "भड़काऊ बयानबाजी" आम की गई, जो दंगों के लिए जमीन तैयार कर रही थीं।

हेट स्पीच की 1,165 घटनाओं के कई मामलों में "Love Jihad", "Vote Jihad", "Land Jihad", थूक जिहाद, चूड़ी जिहाद और जिहाद-based conspiracy narratives चलाया गया था. जिसको नफरती नेशनल मीडिया की भट्टी में देहकाया गया था, कुछ याद आ रहा है आपको ??

अच्छा यह बताएं की आपको याद है या भूल गए ?? अप्रैल 2025 में झारखंड के ठश्च सांसद निशिकांत दुबे Supreme Court पर क्या टिप्पणी कर रहे थे. झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे अपने बयान में कह रहे थे कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है.

उनके समर्थन में उत्तरे बीजेपी के ही राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा, कोई भी राज्यपति, लोकसभा और राज्यसभा को निर्देशित नहीं

कर सकता है. लेकिन लोक सभा में और राज्य सभा में आपके साथियों को अभद्र भाशा का इस्तेमाल करने, खुले आम सदन के पटल पर जातिसूचक या धर्मसूचक गालियां देने की पेर्मिशन आपको कहाँ से मिली है ?

दूसरी तरफ जिस जिहाद लफज पर आसमान सर पर उठाया हुआ है उसी जिहाद लफज पर सुरेश चौहान के बिंदास बोल programme में कितना भर्म फेलाया जाता रहा है. यह भी देश को पता है ..

की अभद्र और गैर इस्लामिक व्याख्या पर कौन मुस्लिम नेता या मौलवी बोले आप बताएं?

लेकिन जिहाद जैसे पवित्र इस्लामिक शब्दावली को लेकर लगातार अभद्र शब्दों का इस्तेमाल और इस लफज को आतंकवाद जैसे घिनौने कृत्य से जोड़कर लगातार मुसलमानों के जज्बात से खिलवाड़ आखिर उलेमा कब तक बर्दाशत करें.

उनकी धार्मिक जिम्मेदारी है कि वो अपने प्रवचन के द्वारा कुरआन के अंदर अलग अलग मौकों पर आने वाले लफज

INTERNATIONAL साजिश है. और इस हमाम में अक्सर मुल्क नंगे हैं.

मौलाना महमूद मदनी के जिहाद बयान का Governor द्वारा आरिफ़ मुहम्मद खान ने समर्थन किया है. हालांकि खान को अक्सर बीजेपी समर्थक और हिन्दू संस्कृति का प्रेरक या अनुयायी होने का उनपर आरोप लगता रहा है. हो सकता है इस सोच के पीछे उनका कोई सियासी मफाद छुपा हो, और सियासत में इस तरह के नाटक दुनिया करती ही रहती है.

अब रहा रामपुर से सांसद

“.....लेकिन जिहाद वाले बयान पर आरिफ़ मुहम्मद खान भी मौलाना मदनी का समर्थन करते नज़र आये”

“Supreme Court तो खामोश ही बैठा है उसने कब लोकतंत्र और संविधान को रोदने और जलाने वालों को फांसी की सजा सुनाई है? रमेश बिधूड़ी की सदन में दी गई गालियां तो देश को याद ही हैं न ??....”

“लेकिन जिहाद वाले बयान पर आरिफ़ मुहम्मद खान भी मौलाना मदनी का समर्थन करते नज़र आये क्या कहाँ Governor साहब ने मौलाना मेहमूद मदनी से में 100 फीसद इतिफाक सख्ता हू. उन्होंने कहा शायद है कोई उनके इस बयान का विरोध करे.”

उनके हर प्रोग्राम में जिहाद लफज की आपको पुनरावृत्ति दिखाई देगी, मिसाल के तौर पर 4 - 5 headlines बताता हूँ जैसे

Bhiwandi में लैंड जिहाद का सफाया !

Land Jihad के खिलाफ डींटीजंत के छत्रपति संभा. जीनगर में गरजा सरकार का बुलडोजर के सैदपूरा गांव में आई बारात पर जिहादियों ने किया हमला ३

मजार कब्जे की साजिश उजागर, जिहादी नेटवर्क का पर्दाफाश स्वअम श्रीपंक के खिलाफ सड़कों पर हिन्दू हुंकार Love Jihad के भाड़चंत्र में फंसी मासूम हिंदू युवती ... वगैरा वगैरा. अब यहाँ जिहाद

जिहाद की सही व्याख्या करें, उसका मतलब बताएं के जिहाद का असल मानी और मकसद क्या है. कोई एक व्यक्ति भी नहीं चाहता कि उसपर झूलन को लेकिन जुल्म को होते हुए देखता रहता है या खुद भी उसमें शामिल हो जाता है.

कुरआन पर ईमान रखने वाले हर शख्स पर लाजिम है कि वो हर जातिम को जुल्म से रोकने की कोशिश करे अब चाहे जुल्म दलित पर हो या ब्राह्मण पर मुस्लिम पर हो या सिक्ख पर जैन पर हो या बौद्ध पर, ईसाई पर हो या पारसी या यहूदी पर. दरअसल जा. लिमों की लफज जिहाद को “इवजंहम करने या बदनाम करने की यह सोची समझी करता हूँ

मौलाना मुहिबुल्लाह नदवी के बयान का सवाल तो उन्होंने भी सदन में मौलाना मदनी साहब के बयान को ही QUOTE किया था. अंदाज बेशक मुहिबुल्लाह नदवी का था मगर बयान मौलाना मदनी का था. हालांकि मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने इस बात को साफ करने की कोशिश की के सदन में मैंने जिहाद पर जो कुछ कहा वो REFERENCE दिया गया था. मगर मीडिया ने उनको घेरने की कोशिश की तब उन्होंने कहा जब उमकप एक खास COMMUNITY के मोरल को डाउन करने की कोशिश करे तो उससे ठब्ब करना भी जिहाद होता है इसलिए मैं आपका भी BYCOTT करता हूँ.

Investing in Dubai opens the door to a Golden Visa: Arshad Qureshi



New Delhi: The "Bankers Real Estate" Dubai Property Show 2025 was held today at Le Meridien Hotel, New Delhi, witnessing strong participation from investors seeking secure and high-return property opportunities in Dubai. The event focused on providing practical guidance and on-ground facilitation for Indian investors.

Addressing the media, Arshad Qureshi Aslam, head of the property show, said the initiative is aimed at people who

wish to invest in Dubai real estate with complete security and transparency. Highlighting Dubai's tax-free income system, he described the emirate as one of the most attractive global investment destinations, offering significantly higher returns on property investments.

"Our objective is to ensure maximum profit for investors. That is why we have come directly to Delhi to connect with Indian buyers," Qureshi said. He added that investors associated with

the show would also be offered a complimentary trip to Dubai.

To accommodate investors with budget limitations, flexible payment plans spanning three to four years have been introduced, along with special booking offers. Qureshi further clarified that no interest is charged on installment-based property purchases. He noted that many Indian investors are unable to travel to Dubai due to various constraints, and the Delhi event aims to provide

them with end-to-end facilities locally.

Importantly, he announced that an investment of 5 crore qualifies the investor and their entire family for a 10-year Golden Visa.

During the event, Mohammad Gulam and Muhammad Aslam Qureshi stated that the response to the program exceeded expectations. A large number of visitors attended the show, with CEO Arshad Qureshi personally guiding investors and addressing their queries.

Donald Trump's Israel-Hamas ceasefire plan faces pitfalls moving into next stage

With the remains of one hostage still in Gaza, the first phase of the US-brokered ceasefire in the war between Israel and Hamas is nearly complete, after a two-month process plagued by delays and finger-pointing.

Now, the key players — including Israel, the Palestinian militant Hamas group, the United States and a diverse list of international parties — are to move to a far more complicated second phase that could reshape the Middle East. US President Donald Trump's 20-point plan — which was approved by the U.N. Security Council — lays out an ambitious vision for ending Hamas' rule of Gaza. If successful, it would see the rebuilding of a demilitarized Gaza under international supervision, normalized relations between Israel and the Arab world and a possible pathway to Palestinian independence.

Here is a closer look at the next stages of the ceasefire and the potential pitfalls. Trump's plan calls for the formation of an international force — known as International Stabilization Force — to maintain security and train Palestinian police to one day to take over. That force has not yet been formed, and a deployment date has not been announced.

But if the deal stalls, Gaza could be trapped in an unstable limbo for

NOTICE:

Times of Pedia does not guarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.

Syrian president seeks stronger ties with Egypt, Iraq

Syrian President Ahmad al-Sharaa said his country is looking to strengthen bilateral relations with Egypt and Iraq, describing current ties as "acceptable" but needing progress toward "a more advanced and significant stage."

Speaking to a delegation of Damascus residents on Sunday on the occasion of Liberation Day, which marks the first anniversary of Bashar al-Assad's ouster, Sharaa outlined the foundations of Syria's new foreign policy, which he said is built on creating broad regional and international balance.

"Syria has created a type of balance in its relations that was impossible to achieve over the past hundred years," he said. "Today, the entire world is not looking toward Damascus in vain."

He described Syria's relations with the US, Russia and China as "good."

"Everyone is satisfied, and things are going well," he said, adding that ties with France, UK, Germany and Spain are also constructive.

At the regional level, Sharaa said Syria's relations with Türkiye, Saudi Arabia, Qatar and the UAE are "ideal," while its ties with Egypt and Iraq are "acceptable," expressing hope they would evolve "to a greater and higher level."

The Syrian president said this balance has made Syria an "influential actor" regionally and internationally, and that Damascus now represents a model of stability and sustainable peace.



"We aim for Syria to embody this spirit and this revival," he said.

"The most important investment is investing in this historic turning point," Sharaa said, warning against squandering the moment.

"We're not prepared to pay such a price every ten years."

Early Monday, mosques across Syria held "victory chants" marking the first anniversary of Assad's fall, following a call by the Ministry of Religious Endowments.

Cities and provinces, including Damascus, its countryside, Daraa, Hama,

Aleppo, Idlib, and Latakia, saw military parades with large public participation.

For days, Syrians across the country have been marking their liberation from Assad's rule through commemorations of the "Deterrence of Aggression" battle, which began Nov. 27, 2024 in Aleppo before opposition forces reached Damascus 11 days later.

Many Syrians view Assad's overthrow on Dec. 8, 2024, as the end of a long era of brutal repression marked by widespread violations against civilians, especially over 14 years of uprising.

हमें किसी के बदे मातरम गाने या पढ़ने पर कोई आपत्ति नहीं है।

मगर मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इबादत में किसी को शरीक नहीं कर सकता: मौलाना अरशद मदनी

नई दिल्ली: आज संसद में "बंदे मातरम" पर हुई बहस के संदर्भ में जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमें किसी के बंदे मातरम पढ़ने या गाने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हम यह बात फिर से स्पष्ट करना चाहते हैं कि मुसलमान केवल एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इस इबादत में किसी दूसरे को शरीक नहीं कर सकता।

उन्होंने आगे कहा कि बंदे मातरम की कविता की कुछ पंक्तियाँ ऐसे धार्मिक विचारों पर आधारित हैं जो इस्लामी आस्था के खिलाफ हैं। विशेष रूप से इसके चार अंतरों में देश को "दुर्गा माता" जैसे देवी के रूप में प्रस्तुत किया गया है और उसकी पूजा के शब्द प्रयोग किए गए हैं, जो किसी मुसलमान की बुनियादी आस्था के विरुद्ध हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19) देता है। इन अधिकारों के अनुसार किसी भी नागरिक को उसके धार्मिक विश्वास के विरुद्ध किसी नारे, गीत या विचार को अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

मौलाना मदनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का भी यह स्पष्ट फैसला है कि किसी भी नागरिक को रा द्रगान या ऐसा कोई गीत गाने के



लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जो उसके धार्मिक विश्वास के खिलाफ हो।

उन्होंने कहा कि वर्तन से मोहब्बत करना अलग बात है और उसकी पूजा करना अलग बात है। मुसलमानों को इस देश से कितनी मोहब्बत है इसके लिए उन्हें किसी प्रमाण-पत्र की जरूरत नहीं है। आजादी की लड़ाई में मुसलमानों और जमीयत उलमा-ए-हिंद के बुजुर्गों की कुर्बानियाँ और विशेष रूप से देश के बंटवारे के खिलाफ जमीयत उलमा-ए-हिंद की कोशिशें दिन की रोशनी की तरह हैं। आजादी के बाद भी देश की एकता और अखंडता के लिए उनकी कोशिशें भुलाई नहीं जा सकतीं।

हम हमेशा कहते आए हैं कि देशभक्ति का संबंध दिल की सच्चाई और अमल से है, न कि नारेबाजी से।

मौलाना मदनी ने बंदे मातरम के बारे में कहा कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड साफ तौर पर बताता है कि 26 अक्टूबर 1937 को रवींद्रनाथ टैगोर ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को एक पत्र लिखकर सलाह दी थी कि बंदे मातरम के केवल पहले दो बंदों को ही रा द्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया जाए, क्योंकि बाकी के बंद एकेश्वरवादी धर्मों के विश्वास के विरुद्ध हैं।

इसी आधार पर 29 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने यह फैसला किया था कि केवल दो बंदों को ही गीत के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इसलिए आज टैगोर के नाम का गलत इस्तेमाल करके पूरे गीत को जबरन गवाने की कोशिश करना न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों को नकारने की कोशिश है,

बल्कि देश की एकता की भावना का भी अपमान है।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग इस मुद्दे को देश के बंटवारे से जोड़ते हैं, जबकि टैगोर की सलाह रा द्रीय एकता के लिए थी।

मौलाना मदनी ने जोर देते हुए कहा कि बंदे मातरम से जुड़ी बहस धार्मिक आस्थाओं के सम्मान और संवैधानिक अधिकारों के दायरे में होनी चाहिए, न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के रूप में।

जमीयत उलमा-ए-हिंद सभी रा द्रीय नेताओं से अपील करती है कि वे ऐसे संवेदनशील धार्मिक और ऐतिहासिक मुद्दों को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल न करें, बल्कि देश में आपसी सम्मान, सहि नुता और एकता

को बढ़ावा देने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाएं।

"बंदे मातरम" बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास "आनंद मठ" से लिया गया एक अंश है। इसकी कई पंक्तियाँ इस्लाम के धार्मिक सिद्धांतों के खिलाफ हैं, इसलिए मुसलमान इस गीत को गाने से परहेज करते हैं।

"बंदे मातरम" का पूरा अर्थ है

"माँ, मैं तेरी पूजा करता हूँ।"

यह एव एव रूप से दर्शाते हैं कि यह गीत हिंदू देवी दुर्गा की प्रशंसा में लिखा गया था, न कि भारत माता के लिए।

इसलिए आज टैगोर के नाम का गलत इस्तेमाल करके पूरे गीत को जबरन गवाने की कोशिश करना न सिर्फ ऐतिहासिक तथ्यों को नकारने की कोशिश है। गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। हाईवेपर करीब दो घंटे तक जाम की स्थिति रही और लंबा जाम लग रहा। हादसेपर गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) पुलिस आयुक्त कार्यालय नेकहा कि पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद हैं और जांच जारी है। पुलिस आयुक्त कार्यालय नेसोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर लिखा, इस मामले में, पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सिद्धांत के खिलाफ है।

बंदे मातरम गीत माँ के सामने झुकने और उसकी पूजा करने की बात करता है, जबकि इस्लाम अल्लाह के अलावा किसी के सामने झुकने और पूजा करने की अनुमति नहीं देता। हम एक ईश्वर को मानने वाले हैं, हम उसके अलावा किसी को भी न अपना पूज्य मानते हैं और न ही किसी के सामने सजदा करते हैं। इसलिए हम इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं कर सकते। मर जाना स्वीकार है, लेकिन शिर्क (अल्लाह के साथ किसी साझी) स्वीकार नहीं है। मरेंगे तो इस्लाम पर और जिएंगे तो इस्लाम पर, इंशा अल्लाह।

मौलाना मदनी ने सवाल उठाया कि क्या देश में इतने विवादित मुद्दों के अलावा कोई ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर संसद में बहस हो, जो देश और जनता के हित में हो? उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक और वित्तीय स्थिति से संबंधित जो रिपोर्ट सामने आ रही हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। अगर इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो देश एक बड़े आर्थिक संकट का शिकार हो सकता है।

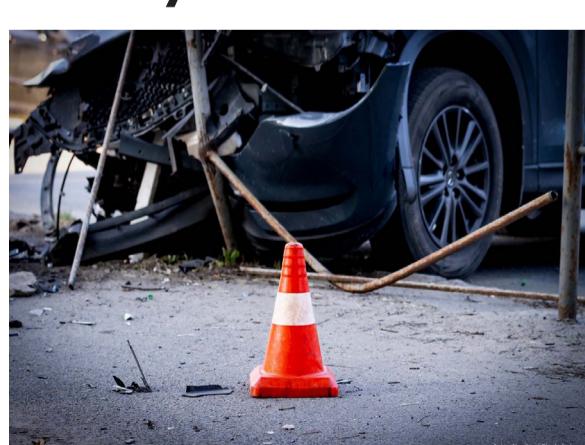
लेकिन दुर्भाग्य से इस पर कोई चर्चा नहीं होती, क्योंकि इस तरह की बहसों से वोट नहीं मिलते और न ही समाज को धार्मिक आदार पर बांटा जा सकता। आजकल चुनाव जीतने का यह एक आजमाया हुआ तरीका बन गया है।

दिल्ली NCR में कोहरे का कहर, एक्सप्रेसवे पर टक्राई एक दर्जनों गाड़ियाँ

नई दिल्ली : दिल्ली के थाना दादरी क्षेत्रांतर्गत ईस्टनपेरिफेरल एक्सप्रेस-वेपर धने कोहरे के कारण दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाएं घटित हुईं। इसमें चक्रसेनपुर फलाईओवर पर तीन गाड़ी और समाधीपुर फलाईओवर पर लगभग एक दर्जन गाड़ियाँ आपस मेंटकरा गई हैं।

घटना की सूचना पर तुरंत पुलिस को मौके पर पहुंचकर सभी क्षतिग्रस्त गाड़ियों को सड़क सेहटवाकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया है। दुर्घटनाओं में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। यातायात सामान्य रूप से संचालित है।

येहादसेकुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेसवेपर हुए, जो हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्यों सेहोकर गुजरगु ने वाला 135 किलोमीटर लंबा, छह लेन चौड़ा



एक्सप्रेसवे है। सामने आए दुर्घटनास्थल के वीडियो में एक सफेद कार डिवाइडर पर चढ़ी हुई दिखाई दे

रही है, जिसका बोनट बुरी तरह क्षतिग्रस्त है। उसके बगल में एक ट्रक खड़ा है।

सुबह करीब 8 से 8:15 बजे के बीच दोनों हादसे से हुए हैं। हालांकि कोई गंभीर घायल नहीं है। हल्की-फुलकी चोट आई थी। इसके बाद वह खुद चलेगा। अभी पुलिस सेंचुरी किसी नेकोई शिकायत नहीं की है। गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। हाईवेपर करीब दो घंटे तक जाम की स्थिति रही और लंबा जाम लग रहा। हादसेपर गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) पुलिस आयुक्त कार्यालय नेकहा कि पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद हैं और जांच जारी है। पुलिस आयुक्त कार्यालय नेसोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर लिखा, इस मामले में, पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

एमएसएमई को समर्थन देने के लिए बीआईएस द्वारा वार्षिक न्यूनतम अंकन शुल्क में विशीय प्रोत्साहन प्रदान किया गया

नई दिल्ली: भारत सरकार भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के माध्यम से एमएसएमई के लिए छूटधूट के साथ संबंधित मंत्रालयों द्वारा चरण-वार, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) को लागू करती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) घरेलू उत्पादन को बाधित न करें। कुछ प्रमुख छूट और रियायतें इस प्रकार हैं:

सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए अतिरिक्त समय: सूक्ष्म उद्यमों के लिए 6 महीने का विस्तार और लघु उद्यमों के लिए 3 महीने का विस्तार।

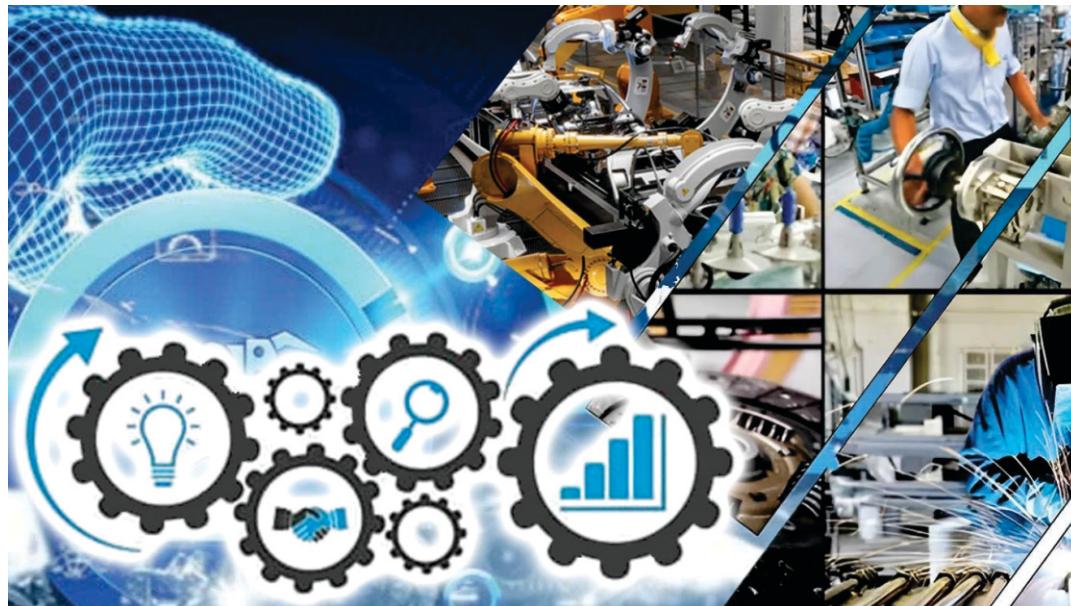
निर्यातोन्मुखी उत्पादों के उत्पादन के लिए घरेलू निर्माताओं द्वारा आयात पर छूट।

अनुसंधान एवं विकास उद्देश्यों के लिए 200 इकाइयों तक के आयात पर छूट।

लागू होने की तारीख से छह महीने के भीतर पुराने स्टॉक (कार्यान्वयन से पहले निर्मित या आयातित) को निपटाने का प्रावधान।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सूचित किया है कि प्रमाणन प्रक्रियाओं पर प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर, बीआईएस ने एमएसएमई क्षेत्र के लिए निम्नलिखित वित्तीय और तकनीकी छूट लागू की है:

सूक्ष्मलघु और मध्यम उद्यम



(एमएसएमई) को सहयोग देने के लिए, बीआईएस द्वारा वारि कि न्यूनतम विपणन शुल्क में वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं, जिसमें सूक्ष्म उद्यमों के लिए 80 प्रतिशत, लघु उद्यमों के लिए 50 प्रतिशत और मध्यम उद्यमों के लिए 20 प्रतिशत की छूट दी जाती है। इसके अतिरिक्त, उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में स्थित उद्यमों या महिला उद्यमियों द्वारा संचालित एमएसएमई इकाइयों को 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट भी प्रदान की जाती है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों के लिए आंतरिक प्रयोगशाला बनाए रखने की अनिवार्यता को वैकल्पिक कर दिया गया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों बीआईएस द्वारा मान्यता प्राप्त बाहरी प्रयोगशालाओं, एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं

की सेवाएं ले सकती हैं या क्लर्स्टर आधारित प्रयोगशालाओं या अन्य विनिर्माण इकाइयों की प्रयोगशालाओं जैसे संसाधनों को साझा कर सकती हैं। निरीक्षण एवं परीक्षण योजना (एसआईटी) में 'नियंत्रण स्तर' को केवल अनुशंसात्मक बनाया गया है। निर्माता के पास अपनी नियंत्रण इकाई और अपने नियंत्रण स्तर निर्धारित करने और बीआईएस को सूचित करने का विकल्प है।

बीआईएस ने उत्पाद प्रमाणीकरण प्रक्रिया संबंधी दिशानिर्देश भी बीआईएस वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दिए हैं। बीआईएस विभिन्न भारतीय मानकों के अनुरूपता मूल्यांकन हेतु मार्गदर्शन दस्तावेजों के रूप में उत्पाद-वार नियमावली भी जारी कर रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी

गई जानकारी के अनुसार, मौद्रिक नीति के संचरण को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, बैंकों को एमएसएमई को दिए जाने वाले ऋणों को बाहरी बैंचमार्क से जोड़ने की सलाह दी गई है। बाहरी बैंचमार्क प्रणाली के तहत ऋणों के लिए रीसेट कर्लॉज को घटाकर तीन महीने कर दिया गया है। इसके अलावा, मौजूदा उधारकर्ताओं को बाहरी बैंचमार्क-आधारित ब्याज व्यवस्था का लाभ उपलब्ध कराने के लिए, बैंकों को आपसी सहमति के अनुसार स्विचओवर विकल्प प्रदान करने की सलाह दी गई है। साथ ही, आरबीआई ने एमएसएमई क्षेत्र में ऋण प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए कई अन्य उपाय भी किए हैं, जिसमें से कुछ इस प्रकार हैं: सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए पारस्परिक ऋण गारंटी योजना (एमसीजीएस-एमएसएमई) की

है। यह सरकारी पहल एमएसएमई को अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए ऋण प्राप्त करने में सहायता करने के लिए बनाई गई है। यह योजना ऋण गारंटी प्रदान करती है, जिससे एमएसएमई के लिए ऋण प्राप्त करना आसान हो जाता है, विशेष रूप से आवश्यक उपकरण और मशीनरी की खरीद के लिए। यह योजना एमएसएमई को उपकरणधारीनों की खरीद से संबंधित परियोजनाओं के लिए 100 करोड़ रुपये तक के साथ ऋणों के लिए ऋणदाताओं (अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान, गैर-वित्तीय वित्तीय संस्थान) को ऋण गारंटी प्रदान करती है।

प्राथमिकता क्षेत्र संबंधी दिशा-निर्देशों में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को ऋण देने के लिए विशेष लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को एमएसई क्षेत्र की इकाइयों को दिए गए 10 लाख रुपये तक के ऋण के मामले में संपार्शिक सुरक्षा स्वीकार न करने का आदेश दिया गया है। एमएसई इकाइयों की कार्यशील पूँजी आवश्यकताओं की गणना 5 करोड़ रुपये तक की उम्मीद सीमा के लिए अनुमानित वारि कि कारोबार के न्यूनतम 20 प्रतिशत के बराबर होनी चाहिए। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (सुश्री शोभा करंदलाजे) ने यह जानकारी लोकसभा में लिखित उत्तर में

दिल्ली सरकार ने श्रमिकों और कामकाजी वर्ग को राहत देने के लिए लिए अहम फैसले: रेखा गुप्ता



दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज जानकारी दी है कि दिल्ली सरकार ने श्रमिकों और कामकाजी वर्ग को राहत देने के उद्देश्य से कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लागू किए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार राजधानी में दुकानों और प्रति ठानों को चौबिसों घंटे खुला रखने की अनुमति भी दी गई है, जिसमें शराब की दुकानों को छोड़कर अन्य सभी प्रति ठान शामिल हैं। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि इस निर्णय से न

केवल व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी

सृजित होंगे। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारियों को राहत देते हुए पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे उन्हें ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ईज ऑफ लिविंग भी मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि नए श्रम कानूनों में महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी गई है जिससे नियोक्ताओं के लिए सुरक्षा, परिवहन और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य हो गया है।

UP Offers Major Relief for Waqf Properties: Registration Deadline on Umeed Portal Extended

Lucknow : In a significant decision, the Uttar Pradesh Waqf Tribunal has extended the deadline for registering Waqf properties on the 'Umeed Portal' under the Waqf (Amendment) Act 2025. The new deadline is now June 5, 2026, replacing the earlier deadline of December 5, 2025. The extension was granted as a large number of properties had not yet been recorded on the portal. The Uttar Pradesh Sunni Central Waqf Board had filed a petition seeking an extension, which the tribunal approved, granting the maximum permissible extension of six months. Speaking to ETV Bharat, Sunni Central Waqf Board Chairman Jafar Ahmad Farooqui said that many Waqf properties were neither entered nor approved on the portal due to the sheer volume, prompting the request for additional time. He added that all remaining properties will now be registered under a special drive, and approvals will be



ensured. The tribunal has clarified that this is the final extension allowed under the rules. According to Farooqui, Uttar Pradesh has 1,26,000 Waqf properties, of which only 76,000 had been uploaded to the Umeed Portal, and merely 12,500 had received

approval so far. With the new deadline, the pathway for completing registration and approval of all remaining properties is now clear. A special monitoring team has been formed to assist with documentation and portal-related issues, ensuring a

smooth registration process. Following the decision, celebrations were reported at the Waqf Board office, where employees exchanged sweets, calling the extension a major relief and a historic opportunity for Waqf properties in the state.

SUBSCRIPTION FORM TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
--	5,000/-	Life

Name :.....
Address :.....

Email:.....
Contact Phone No.
for donation /life /10 yrs /5 yrs subscription
The sum of Rupees..... (Rs...../-)
through cheque/DD No.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :
Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I,
Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025
or email : timesofpedia@gmail.com

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi
Punjab National Bank, Nanak Pura Branch,
New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700



“First, they ignore you,
then they laugh at
you, then they
fight you and
then you
win.”
- Mahatma Gandhi

ADVERTISEMENT TARIFF TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

MECHANICAL DATA:

Language: English, Hindi and Urdu

Printing: Front and Back - 4 Colours, Inside pages - B&W

No. of Pages: 12 pages (more in future)

Price: Rs. 3/-

Print order: 25,000

Periodicity: Weekly

Material details: Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

Bank transactions details of TIMES OF PEDIA

Send your subscriptions/memberships/donations etc.

(Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi

Punjab National Bank, Nanak Pura Branch, New Delhi-110021

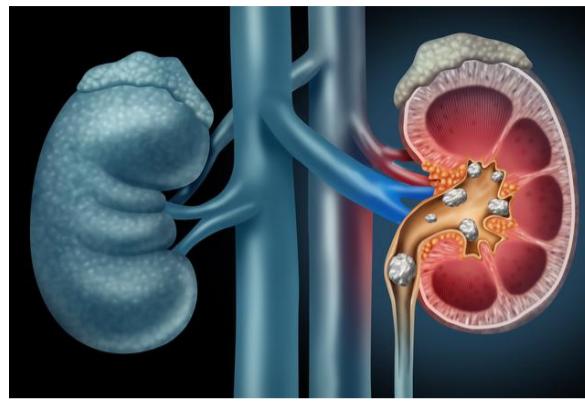
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

क्या आपको भी है किडनी स्टोन के दोबारा लौटने का डर? 4 आसान तरीकों से करें बचाव

नई दिल्ली। किडनी स्टोन किडनी में कैल्शियम या सोडियम ऑक्सोलेट बनने की वजह से होता है। इसके कारण काफी तेज दर्द का सामना करना पड़ता है। एक समस्या यह भी है कि जिन लोगों को एक बार किडनी स्टोन (ज्ञापकदमल-जवदम) हो जाए, तो उनमें इसके दोबारा होने का खतरा ज्यादा रहता है।

लेकिन चिंता की बात नहीं है, क्योंकि लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके किडनी स्टोन को वापस आने से रोका जा सकता है। आइए जानें किडनी स्टोन को वापस आने से रोकने के लिए आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में क्या-क्या बदलाव (ज्ञापकदमल-जवदम चत्तमामदजपवद ज्यवे) कर सकते हैं।

पानी पीना किडनी स्टोन को वापस आने से रोकने के लिए सबसे जरूरी है। भरपूर मात्रा में फ्लूइड लेने से यूरीन पतला होता है और उसमें मिनरल्स व सॉल्ट्स का कॉन्डेंसेशन कम हो जाता है, जो पथरी बनने का मुख्य कारण है। दिनभर में कम से कम 2.5 से 3 लीटर पानी पीने का लक्ष्य रखें। गर्मी के मौसम में या ज्यादा पर्सीना आने पर पानी की मात्रा और बढ़ा दें। अपने यूरीन के रंग पर नजर रखें, यह हल्का पीला या साफ होना चाहिए। पानी के अलावा नींबू पानी, नारियल पानी और



कुछ हर्बल टी भी फायदेमंद हो सकते हैं।

ज्यादा नमक खाना किडनी स्टोन के जोखिम को बढ़ाता है। सोडियम शरीर में कैल्शियम की मात्रा को यूरीन में बढ़ा देता है, जिससे कैल्शियम

ऑक्सलेट स्टोन बनने की खतरा ज्यादा रहता है। इसके लिए प्रोसेर्ड और पैकेज्ड फूड (जैसे चिप्स, नमकीन, सॉस, इंस्टेंट नूडल्स), अचार, और फास्ट फूड से परहेज करें। खाना बनाते समय कम नमक डालें और हर्ब्स व मसालों से स्वाद बढ़ाएं।

रेड मीट, चिकन, मछली और अंडे जैसे एनिमल प्रोटीन सोर्स की ज्यादा मात्रा यूरिन में कैल्शियम और यूरिक एसिड को बढ़ा सकता है। साथ ही साइट्रेट को कम कर सकता है। यह स्थिति पथरी बनने के लिए अनुकूल है। इन्हें पूरी तरह से छोड़ने की जरूरत नहीं है, बल्कि मात्रा पर नियंत्रण रखें। प्रोटीन की जरूरत को पूरा करने के लिए दाल, फलियां, नट्स और डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में गमिल करें।

खट्टे फल जैसे नींबू संतरा और अंगूर में प्राकृतिक रूप से साइट्रेट पाया जाता है। साइट्रेट यूरिन में कैल्शियम से बंधकर पथरी बनने से रोकता है। रोजाना ताजा नींबू, पानी पीना एक बेहतरीन आदत है। इसके अलावा, फल और सब्जियों से भरपूर डाइट रीट को पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर देता है, जो पथरी की रोकथाम में सहायक हैं। केला, आलू, पालक, कारकंद, ब्रोकली और तरबूज जैसे फूड्स भी काफी फायदेमंद होते हैं।

वेट लॉस के लिए ब्लैक कॉफी कितनी पिएं?

नई दिल्ली। क्या आप भी अपनी वेट लॉस जर्नी में उस जादुई नुस्खे की तलाश कर रहे हैं जो आपकी मेहनत को सफल बना दे? अक्सर हम सुनते हैं कि ब्लैक कॉफी वजन घटाने में मदद करती है, लेकिन क्या यह सच है? अगर हाँ, तो क्या वजन घटाने के लिए हमें इसे जितना चाहे उतना पीना चाहिए? इसका जवाब आपको खुश कर देगा।

जी हाँ, ब्लैक कॉफी सिर्फ आपकी नींद ही नहीं उड़ाती, बल्कि यह आपके शरीर में फैट बर्निंग की प्रक्रिया को तेज करने का भी दम रखती है। यह आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर पथरी है और आपको फिट बना सकती है, लेकिन ठहरिये... इसका फायदा तभी मिलेगा जब आप इसे सही तरीके और सही मात्रा में पिएंगे। आइए डायटीशियन तमन्ना दायाल से जानते हैं कि यह साधारण-सी दिखने वाली ड्रिंक आपके शरीर पर कैसे काम करती है।

ब्लैक कॉफी में क्लोरोजेनिक एसिड यानी चर्बी घटाने की रफ्तार तेज हो जाती है। इसके अलावा, ब्लैक कॉफी हमारे लिवर पर काम करती है। यह एक सीधा नियम है कि जो चीज आपके लिवर को सक्रिय करती है, वह अपने आप आपके मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ा देती है। साथ ही, यह



शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करती है, जिससे वेट लॉस जर्नी को एक जबरदस्त बूस्ट मिलता है।

हर किसी के लिए ब्लैक कॉफी पीना सही नहीं होता।

इसे पीने से पहले अपनी बॉडी टाइप को समझना जरूरी है:

जिन्हें एसिडिटी है: अगर आपको शरीर में एसिडिटी

की समस्या रहती है, तो आपको ब्लैक कॉफी का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

जिनका रीट एल्कलाइन है: अगर आपकी बॉडी एल्कलाइन है, तो आप सुबह खाली पेट इसका सेवन कर सकते हैं। इससे आपका एनर्जी लेवल बढ़ेगा और आप इसके बाद वर्कआउट या कोई भी फिजिकल एक्टिविटी बहुत आसानी से कर पाएंगे।

ब्लैक कॉफी फायदेमंद है, लेकिन अति हर चीज की बुरी होती है।

उम्र का ध्यान: अगर आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा है और आप दिन भर में जल्दी-जल्दी 6-7 कप ब्लैक कॉफी पीते हैं, तो इससे आपका ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है।

सही मात्रा: दिन भर में 3 से 4 कप ब्लैक कॉफी पीना काफी है। इतनी मात्रा आपके फैट मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने के लिए अच्छी मानी जाती है।

कई लोग सोचते हैं कि रात को ब्लैक कॉफी पीने से सोते समय फैट बर्न होगा। लेकिन, ऐसा बिल्कुल नहीं होता। सोने से पहले ब्लैक कॉफी पीने से न तो वजन कम होगा और न ही आपको रात में अच्छी नीद आएगी। इसलिए, इसे सोने से पहले पीने से बचें।

सही समय और सही मात्रा में पी गई ब्लैक कॉफी आपके मेटाबॉलिज्म और एनर्जी को बढ़ाकर वजन कम करने में आपकी मदद जरूर कर सकती है।

वरुण की मिस्ट्री, गेंदबाजों की केमेस्ट्री और अभिषेक का मैजिक धर्मशाला में भारत ने ऐसे साउथ आफ्रीका को रौंदा

भारतीय गेंदबाजी की खास बात ये रही की हर गेंदबाज के खाते में विकेट आया। कप्तान सूर्या ने इस मैच में 6 गेंदबा. जो का इस्तेमाल किया। और हर गेंदबाज ने विकेट निकाल कर दिया। अर्शदीप, हरि ति, वरुण और कुलदीप को 2-2 सफलता मिली। जबकि...

धर्मशाला में भारत-साउथ आफ्रीका के बीच खेले गए तीसरे टी20 मैच में टीम इंडिया ने 7 विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही भारत 5 मैचों की सीरीज में अब 2-1 से आगे है। ये जीत इसलिए भी खास है क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप से पहले अब भारत के पास केवल 7 मैच ही बचे हैं। ऐसे में इस तरह का टीम प्रदर्शन बेहद पॉजिटिव संकेत है। इस मुकाबले में भारतीय टीम की एकजुटता देखने को मिली।

इस मैच में मिस्ट्री गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने गान्दरार प्रदर्शन किया। वरुण ने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन खर्च किए और 2 विकेट छाटके। साउथ आफ्रीका की बल्लेबाजों के पास उनकी फिरकी का कोई जवाब नहीं दिखा। इस मैच में वरुण ने एक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।



उन्होंने इस मैच में अपने 50 टी20 विकेट पूरे किए। केवल 32 मैच में उन्होंने ये उपलब्धि हासिल की। कुलदीप के बाद वो सबसे तेज 50 विकेट पूरे करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं।

भारतीय गेंदबाजी की खास बात ये रही की हर गेंदबाज के खाते में विकेट आया। कप्तान सूर्या ने इस मैच में 6 गेंदबा. जो का इस्तेमाल किया। और हर गेंदबाज ने विकेट निकाल कर दिया। अर्शदीप, हरि ति, वरुण और कुलदीप को 2-2 सफलता मिली। जबकि शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या के खाते में एक-एक विकेट आए। इस मैच में 118 रनों के जवाब में उत्तरी भारतीय टीम की तरफ से अभि ओक र्मा

फिर रंग में दिखे। उन्होंने 18 गेंदों में 35 रन जड़कर ठोस जुरात दिलाई। अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और 3 छक्के लगाए। लेकिन गिल और सूर्या की बैटिंग सवालों में रही।

गिल के बल्ले से जरूर 28 रन आए लेकिन उसके लिए उन्हें 28 गेंद खेलनी पड़ी। वो लय में नहीं दिखे। जिस तरह से वो आउट हुए उससे साफ है। की वो अभी कॉन्फिंडेंस में नहीं हैं। वहीं, सूर्या भी जब बैटिंग के लिए आए तो रंग में नहीं दिखे। भारत की जीत तब लगभग पक्की थी। लेकिन सूर्या मैच फिनिश नहीं कर पाए। उन्होंने 11 गेंद में 12 रन बनाए और आउट हो गए। सीरीज का चौथा मैच 17 दिसंबर को लखनऊ में होगा।



सभी किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। मैं तीसरे से छठे नंबर तक कहीं भी खेल सकता हूं, जहां टीम को मेरी जरूरत हो। उन्होंने कहा कि हर टीम को लगता है कि कोई फैसला रणनीति की दृष्टि से जरूरी है तो सभी उसके साथ होते हैं। तिलक ने कहा कि ऐसे फैसले हालात को देखकर लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक मैच खराब हो सकता है। अक्षर पटेल ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया। यह हालात पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद धर्मशाला की पिच बल्लेबाजों की मददगार हो सकती है।

तिलक ने कहा कि इस प्रारूप में हालात के अनुकूल ढलना सबसे अहम है। उन्होंने मैच की पूर्व संख्या पर प्रेस कॉर्नेस में कहा कि प्रारंभिक बल्लेबाजों को छोड़कर



उन्होंने इस मैच में अपने 50 टी20 विकेट पूरे किए। केवल 32 मैच में उन्होंने ये उपलब्धि हासिल की। कुलदीप के बाद वो सबसे तेज 50 विकेट पूरे करने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इस मैच में 118 रनों के जवाब में उत्तरी भारतीय टीम की

نرم دم گفتگو مردم جستجو

ہو پاتا تھا۔ ڈاکٹر عبدالحق انصاری صاحب نے اپنے زمانے میں 'ویژن 16' کے نام سے خدمت خلق کا ایک ہم گیر پروگرام اور منصوبہ بنایا۔ اس وقت پورے ملک میں صدیق حسن صاحب جو اس ویژن کے روح رواں ہیں اور جن کو ڈاکٹر صاحب اپنی زندگی میں مرکز لائے تھے، یماری اور کمزوری کے باوجود سرگرم عمل ہیں اور جو پورے ملک میں بڑے پیمانے پر جاری اور ساری ہے جس کے دور رس اشات مرتب ہو رہے ہیں۔ یہ کہنا غلط نہ ہو گا کہ یہ خاکہ بھی مسلم صاحب کا پیش کیا ہوا تھا جس میں ان کی زندگی کے بعد جماعت نے رنگ بھرا۔ مسلم صاحب اپنے انہی کاموں اور کارناموں کی وجہ سے تحریک اسلامی اور ملت میں زندہ حادیب رہیں گے۔

فقیرانہ زندگی: مسلم صاحب نے خود نمائی کا جذبہ رکھتے تھے اور نہ خود پرستی کی کوئی رنگ ان کی شخصیت میں پائی جاتی تھی۔ وہ فقیرانہ لباس کے ساتھ فقیرانہ زندگی گزارتے تھے۔ مسلم صاحب سے رقم کا دیرینہ تعلق تھا وہ جب مکمل آتے تو میرے غربت میں بھی تشریف لاتے۔ ایک مرتبہ کا واقعہ ہے کہ جب وہ مولوی لین کے میرے مکان میں تشریف لائے تو میرے دو بیٹے فاروق اور صدیق جو بہت چھوٹے چھوٹے تھے۔ غالباً ایک عرصہ کی اور دوسرے کی 8 کی روی ہو گئی۔ جب دونوں کو زندگی میں تھے بلکہ یہ کہنا ہوئے دیکھا تو انہیں بڑی خوشی اور سرست ہوئی۔ فوراً انہا کہ کہنے پڑے ہوں جو بہادر ہوں اور حوصلہ مند ہوں۔ مسلم صاحب نے دونوں بچوں کو اپنی دعائیں سے نواز۔ 1972ء میں مسلم صاحب اور مولانا محمد یوسف صاحب ایک خاص منصوبے کے ساتھ مکمل تشریف لائے۔ دونوں حضرات تقریباً 15 اروز مکمل میں مقیم رہے۔ دونوں حضرات کا مشن تھا ملت کی طرف سے بگلے زبان میں ایک چھتہ وار اخبار کا لام جائے اور بگلے زبان میں ترجیمہ اور تالیف کیلئے ایک ٹرست قائم کیا جائے دونوں کی رات دن کی کوششوں سے ہفتہ وار میزان کا اجراء عمل میں آیا اور اسلامی بگلے پر کاشنی ٹرست قائم کیا گیا جس سے ترجیمہ اور تالیف کا کام شروع ہوا۔ اسی موقع پر رافم نے بہت وار تحریک ملت کا اقبال نہر نکالنے کا فیصلہ کیا تھا۔ مسلم صاحب سے جب میں نے گزارش کی کہ علامہ اقبال پر اپنے نیحیات رقم کو لکھا وہ اس تو مسلم صاحب فوراً تیار ہو گئے اور قلم لے کر لکھنے پڑھ گئے۔ مردموں کی تلاش: "اقبال کو جو اس میں کی تلاش تھی اس کی ضرورت وہیت برابر بڑھتی چلی جا رہی ہے۔ ضرورت اب ان کے اشعار کو پڑھنے اور ان پر سردد ہنرنے سے زیادہ اس کی ہے کہ خودی سے آشنا مزاد ان کا رہر ملک اور ہر ہر شہر اور بُتی میں پیدا ہوں اور اپنی بصیرت وہت سے زمانے کی بآگ ڈور اپنے با تھیں لیں۔ زمانہ اگرچہ کچھ گروہوں کو پامال کرنا پڑتا ہے تو اسی کے ساتھ وہ کچھ گروہوں کے اشارے پر حرکت کرنے کے لئے بھی آتہ رہتا ہے اقبال کا حقیقت اور مطلوب مردموں کی وہی ہے جو زمانے کے بے چین اور تحریک گھوٹے کی پیچھے پر سواری کرے نہ کہ اپنے آپ کوئی سیکی کے عالم میں اس کے ٹاپوں کے آگے روندے جانے کے لئے ڈال دے۔"

مجلہ شوریٰ اور مجلس نمائندگان کے رکن تھے، مجلس شوریٰ جماعت کی فیصلہ کرنے والی بادی ہے جبکہ مجلس نمائندگان انتخابی بادی (Electrol Body) ہے۔ مولانا مسلم صاحب دونوں مجلسوں میں اہم کاردار ادا کیا کرتے تھے۔ انتخابی سیاست کے موضوع پر جماعت کے اندر اور باہر کشکش پائی جاتی تھی مسلم صاحب انتخابی سیاست کے حامی اور موید تھے۔ لیکن جو لوگ انتخابی سیاست کو پسند نہیں کرتے تھے ان سے ان کے روابط میں بھی بھی کوئی فرق پیدا نہیں ہوا۔ مولانا انعام الرحمن صاحب بھوپال کے تھے اور مسلم صاحب بھی بھوپال سے تعلق رکھتے تھے۔ دونوں انتخابی سیاست کے بارے میں بالکل مختلف رائے رکھتے تھے لیکن دونوں کے دوست اور تعلق میں بھی کوئی فرق نہیں آیا۔ دونوں ایک دوسرے کی بڑی قدر مزینت کی نگاہ سے دیکھتے تھے۔ مسلم صاحب کی بھی مونمانہ اور حکیمانہ صفت تھی کہ اپنے مخالفوں کا دل جیت لیتے تھے اور اپنے دلائل سے قائل کرنے میں کامیاب ہو جاتے تھے۔ بہت سارے ذہین لوگ جو جماعت کے اندر انتخابی سیاست سے چڑھتے اور دور رہتے تھے ان کو مسلم صاحب اپنی نگاہ بندی، سخن دل نوازی اور جان پر سوزی سے بدلتے میں کامیاب ہو جاتے تھے۔ جماعت کے اندر مسلم صاحب سیاہی شعور پیدا کرنے تھے۔ ایک نیا حوصلہ اور اولاد پیدا ہوا اور مسلمانوں کی ماہی، محدودی، مظلومی، مجبوری اور بے کسی میں کمی آئی اور اس میں سب سے آگے کی صفوں میں تھے بلکہ یہ کہنا چاہئے کہ امام تھے اور اپنی زندگی میں ہی وہ فیصلہ کر دیتا چاہتے تھے کہ جماعت سلطنت کے میدان میں دلیل اور قوت پذیر ہو اس میں وابپی زندگی میں کامیاب ہو گئے تھے کہ جماعت اسلامی ہندستان کے تقریباً سو نیجے پنچاہیوں میں حصے لے۔ جماعت کے اندر ووٹ دینے کی جو پابندی تھی اسے ختم کرنے میں بھی ان کو کامیابی حاصل ہو گئی تھی لیکن ایک سیاسی جماعت کو قائم کرنے میں پیش قدمی (Initiative) کرے اور اس کی حمایت اور تائید کا اعلان کرے یہ چیز ان کی زندگی میں نہیں ہوئی لیکن سابق امیر جماعت ڈاکٹر عبد الحق مرحوم نے اپنی امارت میں مسلم صاحب کا یہ خواب شرمندہ تعبیر کرنے میں ساری کوششیں اور صلاحیتیں جھونکتے دیں جو ایک امارت کے بعد مولانا جلال الدین عمری افراطی کر رہی ہے اس کی بیان ڈالنے میں جس شخصیت کا مرکزی کردار ہے اس شخصیت کا نام محمد مسلم ہے۔ یہ بات بہت کم لوگوں کو معلوم ہے کہ مسلمانوں کے بڑے سے بڑے لیڈروں کو سر جوڑ کر بیٹھنے میں کس شخصیت نے ایسے وقت میں کام کیا جب مسلمان بہت پست حوصلہ اور مایوس تھے اور یہ بھی بہت کم لوگوں کو معلوم ہے کہ جب مسلمان لیڈروں کے یا میں اختلافات میں شدت پیدا ہو جاتی تھی وہ کوئی خصیت تھی جو ان کی شدت کو کم کرنے کی حق الامکان کو شکست کر دیتے تھے اور ایک نقطہ پر متعدد اور متنوع کامیاب ہوتے۔ وہ یہی صاحب دعوت و صاحب خبر و نظر تھے وہ تھی کہ جماعت خدمت خلق اور مرحمت و موسات کا ایک بھی پروگرام اور منصوبہ بنائے اور مسلمانوں کی تمام جماعتوں میں خدمت خلق کی اپertura کرے۔ مولانا ایڈیٹر کا نافرنس میں بھی مسلم صاحب ایک دوسرے کو ملائے، متعدد کرنے اور دلوں کا جوڑنے کا کردار ادا کیا کرتے تھے۔ مسلم صاحب کے زمانے میں جماعت کا شعبہ خدمت خلق تھا لیکن خدمت خلق کا منظم کوئی پروگرام اور منصوبہ نہیں

انداز کرتے ہیں۔ آج پورے ملک کی رائے کچھ اور ہے اور سوچئے۔

جواب میں مرد قلندر نے کہا: "ہم لوگ ایسے درخت کے پتوں کی طرح نہیں ہیں جو اپنی ڈالی سے ٹوٹ گیا ہو اور اپنے آپ کو سرگرم ہواؤں کے سپرد گیا ہو، ہم اپنی گڑوں سے پوستہ ہیں۔"

شیم صاحب کی آواز بند ہو گئی وہ بغلیں جھانکنے لگے۔ پھر شیم صاحب کی آنکھیں ملانے کی جرأت نہیں ہوئی۔

اس بندہ خدا نے تحریک خاکسار سے اپنی سماجی زندگی کا آغاز کیا، پھر اتحاد ملت اور تحریک اسلامی کی راہ پر سوچ سمجھ کر گامز ہو گیا اور زندگی پھر اپنے وعدے کو دل و جان سے پورا کرتا رہا اور جاتے جاتے اپنے ایسے نقش پا کو چھوڑ گیا

کہ جو نہیں ہے۔ آج بھی لوگ اس راستے کے مسافر ہیں مگر اس قابل تھجیز میں وہ مسلم نہیں جسے محمد مسلم کہا جاتا ہے۔ مسلم مجلس مشاورت کے روح رواں: 9، 8، 9 اگست 1964ء کو

ایک کل ہندو مسلم مشاورتی اجتماع جو دارالعلوم ندوۃ العلماء لکھنؤ میں منعقد ہوا اور جس میں مسلم مجلس مشاورت کی بنیاد پڑی اور جس کی وجہ سے ملک بھر میں مسلمانوں کا شہر کا شہر کا شہر ہو گیا۔

اسی نظر کی دین کی ہے جو دعوت کے خبر و نظر میں انفر آتا تھا وہ سوز و گداز، وہ شنمن جس سے جگر لالہ میں ٹھنڈک گمراہ کر سمجھ کر ہجت و باطل ہوتا ہے وہ طوفان جس سے دریاؤں کے دل دہل جائیں۔

مسر اندر گاندھی کا زمانہ ہے، لاکھوں پناہ گز نیوں کا قافلہ مشرقی پاکستان چھوڑ کر ہندستان کی سرحد میں داخل ہو گیا ہے۔ اردو اخبارات کے 1150 ایڈیٹریوں کو پناہ گز نیوں کا حال زار دیکھنے کیلئے وزیر اعظم مسرا ندر را گاندھی روائے کرنا وائی ہیں۔ اپنی تقریر کے بعد جرأت مردانہ کا شہوت پائی وہی تھے کہ مسلمانوں کا پانی اخلاقی قوت کے ساتھ خیر امت کی حیثیت سے اپنہ نہ چاہئے اور کلیدی کردار ادا کرنا چاہئے۔ بعد میں مسلم مجلس کا بھی وجد عمل میں آیا جو مشاورت کے ذریعے ہی پروان چڑھی۔ مسلم مجلس مشاورت کے ارکان کی کوششوں اور ان کے حوصلوں سے ہی ایک نئی تھجیز ویز مسرا ندر را گاندھی روائے کرنا وائی ہیں۔ اپنی تقریر کے بعد جرأت مردانہ کا شہوت پائی وہی تھے کہ مسلمانوں کے دل میں دیکھنے کیلئے وہ ملکا باری مسجد وغیرہ کیلئے بوڑھی مسلمانوں کے قدر اور قابل تھیں۔ مسلم مجلس مشاورت اپنے وجود سے مسلمانوں کو آج تک جو حوصلہ افراطی کر رہا ہے اس کی وجہ سے ملک بھر کا شہر کا شہر ہو گی۔

"کہنے۔" مسرا ندر گاندھی نے حوصلہ افراطی کی۔

"میں دونوں ملکوں کے حق میں کہنا چاہتا ہوں کہ ایک دوسرے کی دشمنی کی فریق کو اس نہیں آئے گی، جو مزادوں میں وہ دشمنی میں کیوں کیوں نہ ہم دشمنی کے بجائے دوستی کیلئے ہاتھ بڑھائیں، یہی تھنا اور آرزو ہمارے پر کھوں کی تھی وہ حانتے تھے کہ پاکستان کی شکست و ریخت سے ہندستان کو کوئی فائدہ نہیں ہو گا بلکہ نقصان ہو گا۔"

مسرا ندر گاندھی کی توقع کے خلاف آیا۔ آواز بند ہوئی مگر ابھی وہ خبر کہنا چاہتی تھیں کہ سکم کے ایڈیٹر غلام سرورنے صاحب

"یہ حق و صداقت کی آواز ہے اس پر ملک کے حکمرانوں کو نور کرنا چاہئے۔"

باقی میراں اردو کے منہ میں تلا لگا ہوا تھا۔ شیم احمد شیم میر آئینہ کشیر نے مرد قلندر کیلکتہ میں سمجھانے کی کوشتے ہوئے کہنا کہتے ہوئے کہا کہ "مولانا! آپ لوگ قوی دھارے کو نظر

مسلم اور مومن کا نشان سفر اپنی یادگاریں چھوڑ جاتا ہے۔ آپ ایک دوکی را یوں سے ملک کا کیا بنتا بگرتا ہے؟ ذرا سوچئے۔

جواب میں مرد قلندر نے کہا: "ہم لوگ ایسے درخت کے پتوں کی طرح نہیں ہیں جو اپنی ڈالی سے ٹوٹ گیا ہو اور اپنے آپ کو سرگرم ہواؤں کے سپرد گیا ہو، ہم اپنی گڑوں سے پوستہ ہیں۔"

ایسیما کرو کر کہ کریں لوگ آرزاں ایسا رہا کرو کہ زمانہ مثال دے نہ بڑے پن کا کوئی احساس، نہ حسب و نسب کا کوئی خیال، علم و نظر، بحث و نظر اور نہ بخرب و نظر کی تحریر پر کوئی غرور اور گھنٹہ،

قائدوں کا قائد مگر سادگی اور فقیری ایسی کہ جو تھے پھر اور ملک کے سپرد گیا اور بھر کر ملک ہو کر ملک ہو کر ملک ہے، شیر وانی پر اپنی، ٹوپی نشان زدہ، مگر با تین ایسی میٹھی اور ملک کہ مومن کی قرآنی صفت کا شاہکار ہو۔

نرم دم گفتگو مردم جستجو علامہ اقبال نے ایسے ہے دشوار تر کا رجہاں بیٹھاں گھنڈخون ہو تو چشم دل میں ہوتی ہے نظر پیدا!

ہزاروں سال رنگ اپنی بے نوری پر پیدا ہے بڑی مشکل سے ہوتا ہے چون میں دیدہ ور پیدا!

اسی نظر کی دین کی ہے جو دعوت کے خبر و نظر میں انفر آتا تھا وہ سوز و گداز، وہ شنمن جس سے جگر لالہ میں ٹھنڈک گمراہ کر سمجھ کر ہجت و گداز کے دل دہل جائیں۔

مسر اندر گاندھی کا زمانہ ہے، لاکھوں پناہ گز نیوں کا قافلہ مشرقی پاکستان چھوڑ کر ہندستان کی سرحد میں داخل ہو گیا ہے۔ اردو اخبارات کے 1150 ایڈیٹریوں کو پناہ گز نیوں کا حال زار دیکھنے کیلئے ویز مسرا ندر کا گاندھی روائے کرنا وائی ہیں۔ اپنی تقریر کے بعد جرأت مردانہ کا شہوت دیتے ہوئے پوچھا کہ کہنا چاہتا ہے۔ یہی مرد دیکھنے ہے دنیا میں سمجھ کر ہجت و گداز کے دل دہل جائیں۔

"جی ہاں میں کچھ کہنا چاہتا ہوں۔"

"کہنے۔" مسرا ندر گاندھی نے حوصلہ افراطی کی۔

"میں دونوں ملکوں کے حق میں کہنا چاہتا ہوں کہ ایک دوسرے کی دشمنی کی فریق کو اس نہیں آئے گی، جو مزادوں میں وہ دشمنی کیوں کیوں نہ ہم دشمنی کے بجائے دوستی کیلئے ہاتھ بڑھائیں، یہی تھنا اور آرزو ہمارے پر کھوں کی تھی وہ حانتے تھے کہ پاکستان کی شکست و ریخت سے ہندستان کو کوئی فائدہ نہیں ہو گا بلکہ نقصان ہو گا۔"

مسرا ندر گاندھی کی توقع کے خلاف آیا۔ آواز بند ہوئی مگر ابھی وہ خبر کہنا چاہتی تھیں کہ سکم کے ایڈیٹر غلام سرورنے صاحب

"یہ حق و صداقت کی آواز ہے اس پر ملک کے حکمرانوں کو نور کرنا چاہئے۔"

باقی میراں اردو کے منہ میں تلا لگا ہوا تھا۔ شیم احمد شیم میر آئینہ کشیر نے مرد قلندر کیلکتہ میں سمجھانے کی کوشتے ہوئے کہنا کہتے ہوئے کہا کہ "مولانا! آپ لوگ قوی دھارے کو نظر

انڈیگو مسافر طیاروں کی پروازوں کی بڑی تعداد میں منسوخی نے ایک ہی جھکل میں جس طرح کا خوفناک سچ گزشتہ دوں سامنے لایا ہے، اس کا اندازہ پہلے سے ہی تھا۔ خطرے کی گھنٹوں تو نومبر کے آغاز میں ہی سن لی جانی چاہیے تھی، جب او سٹھ منسوخ ہونے والے ایڈیٹریوں کی تعداد روزانہ تقریباً 14 سے بڑھ کر 40 تک پہنچ چکی تھی۔ یہ منسوخیاں تباہی کیلئے ہوئیں، جب تک نظام پوری طرح درہم برہم نہیں ہو گیا اور بالآخر دس بیکھنے والے ایک ہزار سے زیادہ پروازوں کے منسوخ ہو گئے۔

حالات ایسے پیدا ہو گئے کہ ہزاروں مسافر مختلف ہوائی اڈوں پر سچے رہے گئے، جنہیں یہ بتانے والا کوئی نہیں تھا کہ وہ کس بپڑے کر پائیں گے۔ کتنے ہی لوگوں کے نوکری کے انتہ

AIMPLB delegation meets Union Minister of Minority Affairs



New Delhi: A representative delegation of the All India Muslim Personal Law Board met today with the Union Minister for Minority Affairs, Shri Kiren Rijiju. The delegation also presented a memorandum containing several demands.

In the meeting, the delegation explained in detail the difficulties and technical issues encountered while uploading registered waqf properties on the UMEED Portal, due to which lakhs of properties could not be registered.

The delegation pointed out that the responsibility of uploading properties already registered with the Waqf Boards should have rested with the Waqf Boards themselves, and at least two years should have been given for this task.

Therefore, we request that the deadline for uploading the properties that remain unregistered be extended by at least one year.

The delegation informed the Minister that amendments to the Waqf Act/ UMEED Act and the mandatory requirement to upload details on the UMEED Portal under Section 3B have placed the entire Muslim community under severe

pressure and hardship. Firstly, the six-month time limit prescribed for uploading all registered waqf properties was extremely short.

Secondly, many technical problems and glitches were faced while uploading details on the portal. Therefore, uploading all properties became extremely difficult and practically impossible. Consequently, the Punjab Waqf Board, Madhya Pradesh Waqf Board, Gujarat Waqf Board, and Rajasthan Waqf Board approached the Tribunal seeking extension of time, and the Tribunal granted these extensions.

This clearly shows that even the Waqf Boards were unable to comply with the six-month timeline and had to request more time. Hence, the delegation requested that, considering the difficulties faced by mutawallis, the deadline for uploading be extended by another year.

The delegation further said that there is also a discrepancy between the time mentioned in the Act and the time calculated from the date on which the portal was launched. Moreover, the UMEED Rules were notified only on 03/07/2025, and it

was on this date that the required procedures and details for uploading were communicated.

It is also important to note that the declaration forms to be submitted by the mutawallis and the Chief Executive Officers of the Waqf Boards were notified for the first time on 03/07/2025 through the UMEED Rules.

Therefore, the date of launching the portal—06/06/2025—cannot be treated as the date of commencement of the Act, as this is not the date specified in the Act.

In view of the above challenges and difficulties, we request that the initial six-month period mentioned in the Act be extended by at least one more year, after which, if required, applicants may approach the Tribunal for further extension.

The delegation added that all of us are sincerely and diligently trying to complete the uploading process on the portal, and we firmly believe that if a one-year extension is granted for the initial period, there will be no need for anyone to approach the Tribunal again for further extension, except in extraordinary circumstances.

Lastly, we consider it appropriate to remind that the Waqf Act/UMEED Act, 1995, and its Section 113 empower the Central Government to issue orders to remove difficulties that may arise in implementing the provisions of the Act.

The Minister listened to the delegation with great seriousness and attention and assured them that he would very soon find solutions to these issues and difficulties.

The delegation included:

Vice President of the Board, Mr. Syed Sadatullah Husaini; General Secretary Maulana Mohammed Fazlur Rahim Mujaddidi; Executive Member and Member of Parliament Barrister Asaduddin Owaisi; Mr. Mohammad Adeeb (former MP); General Secretary of Jamiat Ulama-e-Hind Maulana Muhammad Hakimuddin Qasmi; General Secretary of Jamiat Ulama-e-Hind (Delhi) Mufti Abdur Raziq; Board Members Mr. Fuzail Ahmad Ayyubi Advocate, Mr. Hakeem Muhammad Tahir Advocate and Ms. Nabila Jamil Advocate.

AAPU Holds 5th General Council Meeting at Marwah Studios Film city Noida

The meeting of the GC Members was convened primarily to deliberate on the forthcoming International Conference titled “Sustainable Development and Peace among Asia Pacific Countries (APC), with a Focus on Media, Art & Culture, Climate Change, and Health.”

In addition to the GC Members in New Delhi, the heads of the Chapters in Sydney (Australia), Dubai (UAE), and Chennai (South India), along with Dr. Tania Banerjee, Founder & Director of Bandana Cultural School, Sydney, participated in the discussions. The members collectively arrived at a considered decision regarding the central theme of the Conference. Recognising the importance and contemporary relevance of the Conference particularly its focus on sustainable development across the APC members agreed to invite a Union Minister as the Chief Guest, along with several Ambassadors/High Commissioners from APC nations. Senior bureaucrats and leading industrialists will also be invited to share their insights on the pressing issues of development and peace.



Opening the deliberations, Shri J. S. Saluja, President of AAPU, referred to the key recommendations of the International Conference held in Dubai (UAE) on 27 February 2025. It was unanimously resolved that for the sustainable development of APC nations, regional unity is indispensable. Countries must share their experience, expertise, knowledge, and resources to

identify the most effective pathways for development rather than depending on financial or technological assistance from developed nations. In essence: “Unite for development or perish.”

Dr. Sandeep Marwah of Marwah Studios strongly emphasised that Art, Culture, and Media can play a pivotal role in bringing APC countries together on a common platform to advance the mission of sustainable development. Wing Commander (Dr.) Praful Bakshi highlighted that sustainable development can be achieved only when peace and security are firmly ensured across the region. The International Conference is scheduled for 21 February 2026 at the India International Centre.

ملت اسلامیہ ہند کو مایوسی سے نکالنا
علماء کی ذمہ داری ہے: محی الدین شاکر

ئی دہلی: (پریس ریلیز) اسلامی معاشرے کی تشکیل میں عقیدہ توحید نیادی حیثیت رکھتا ہے اور مشرکانہ گیتوں وغیرہ اسلامی مظاہر کی مخالفت اس نہماز میں ہونی چاہیے کہ وہ محض رسول کے بجائے توحید کی صحیح تفہیم کا ذریعہ بنے۔ یہ بات دہلی میں منعقدہ علماء و ائمہ کے ایک اجتماع میں کہی گئی۔ یہ "جماع" اسلامی معاشرہ کی تعمیر میں علماء کا کردار کے موضوع پر آئیندہ میں بیانیہ ترست اور مجلس العلماء دہلی کے اشتراک سے مرکز جماعت اسلامی ہند کے کانفرنس ہال میں منعقد ہوا، جس میں تقریباً 100 علماء شریک ہوئے۔ مددارت محب الدین شاکر صدر، آئیندہ میں ریلیف ترست نے کی۔ انہوں نے کہا کہ علماء ملت کے لیے رہنماء اور رول ماؤل ہیں اور موجودہ حالات میں مت کو مایوسی سے نکالنا ان کی اہم ذمہ داری ہے۔ آئیندہ میں ریلیف ترست کے جزو سیکھری ڈاکٹر عارف ندوی نے افتتاحی خطاب میں مذاکرے کے مقاصد بیان کیے۔ مذاکرے میں متعدد علمائے کرام نے اتحاد امت، مسلکی خلافات سے اجتناب، خطبے جماعت و کام کے ذریعے سماجی اصلاح اور فیضی کو سلسلنگ پر زور دیا۔ "معاشری استحکام: موضع اور امکانات" کے موضوع پر ڈاکٹر محمد اسلم علیگ صدر رفاه چیئری اف کامرس نے خطاب کرتے ہوئے سلامک فائناں، تجارت اور جدید ٹکنالوجی سے استفادہ کی ضرورت پر وحشی ڈاکٹر اختمام پر سلیم اللہ خان امیر حلقة دہلی نے علماء سے جماعت سلامی دہلی کے مختلف رہنمائی پلیٹ فارمز سے جڑنے کی اپیل کی۔

ہیون ویفیسر فاؤنڈیشن کی سالانہ اسکالر شپ تقسیم 75 ہونہار بچوں کو دی گئی اسکالر شپ

پہنچانا اپنا فرض سمجھتے ہیں۔ ہماری یہ اسکارا شپ پجوں کے خواب کی تکمیل میں معاون ثابت ہو رہی ہے، گزشتہ



نئی دہلی : (پریس ریلیز) ہیومن ولیفیر ہڑھیں۔ تقریب میں ہیومن ولیفیر فاؤنڈیشن کے سیکرٹری ملک مقصتم خان نے کہا کہ ہم موقع کرتے ہیں کہ یہ تعاون آپ کو اچھا شہری بننے میں معاون ثابت ہو گا واضح ہو کہ فاؤنڈیشن ہر سال ملک بھر میں 200,2 سے زائد یتیم طلباء کو کرنا بھی ہے۔ جzel سکریٹری ہیومن ولیفیر فاؤنڈیشن ساجد ایم نے اپنے اسلامی خطباء میں انہوں نے کہا ہم مذہب، ذات اور سیاست سے بالاتر ہو کر صرف ضرورت مند طلباء تک مدد بنیاد پر تعیینی مدد دی جاتی ہے۔

جو پسمندہ طبقات کو باوقار زندگی کی طرف لے جاتی ہے۔ انہوں نے مزید کہا کہ ہیومن ولیفیر فاؤنڈیشن کا یہ قدم سماجی انصاف کی علمی تصویر ہے فلاہی اداروں کی ذمہ داری صرف امداد دینا نہیں بلکہ نوجوانوں میں خود اعتمادی پیدا کرنا بھی ہے۔ اسلامی اسکالر شپ فراہم کی گئی۔ پروگرام میں سابق مرکزی وزیر اندیما اسلامک لکچر ہل سنٹر کے صدر سلمان خورشید نے بطور مہمان شخصی شرکت کی۔ انہوں نے اپنے خطاب میں کہا کہ ”تعیین ہی وہ واحد طاقت ہے

‘فکر اسلامی کے فروع و ارتقا میں ڈاکٹر عبدالحق انصاری کی فکری خدمات تحریک اسلامی کے حوالے سے کے عنوان پر پروفیسر کنور محمد یوسف امین کا یادگاری خطاب

کو سر کا تعارف کرایا اور ادارے کے اغراض و مقاصد سے
سامعین کو روشناس کرایا۔ اجلاس کی صدارت فرمارے ڈاکٹر
حسن رضا (چیزیں اسلامی اکیڈمی ٹرست) نے اپنی گفتگو میں
کہا کہ ڈاکٹر عبدالحق انصاری مرحوم نے تحریک اسلامی کے
دلوں مذاہوں یعنی علمی و فکری کے ساتھ تینی وی ادارے جاتی
دلوں سطح پر اسلام کی خدمت کی۔ آپ ایک عالم، صوفی فکر
اور معلم و مرمنی تھے۔ تحریک اسلامی کے علمی و فکری سفر میں
مولانا مسعودو دی کے بعد ڈاکٹر صاحب مرحوم نے ہندستان میں
بیانات اسلامی کے لٹرپپر اور مستشفی پر مفصل اور مدل گفتگو
کی۔ مرحوم رعیل کی نسبیت کاشکار نہیں ہوتے تھے، بلکہ علمی و
فکری پیاروں پر اختلافی افکار و آراء کا مدلل محاکمہ کرتے
تھے۔ انہوں نے خواہش ظاہر کی کہ نوجوان نسل آگے بڑھیں

اور اس لپھر کی روتی میں ڈاکٹر صاحب کی علمی خدمات پر حکیقی کام کریں۔ ڈاکٹر عبدالحق انصاری کے شاگردوں میں سے جناب امین، یکرلا، ڈاکٹر محمد فاروق، جمیل کشمیری، جناب بہار احمد فلاحی، سہاپور اور جناب امین الرحمن ندوی نے ڈاکٹر صاحب مرحوم سے والیتہ یادوں کو پیش کرنے کی سعادت حاصل ہی۔

حسن رضا (چیرین میں اسلامی اکیڈمی ٹریسٹ) کی صدارت میں منعقدہ پہلے ڈاکٹر عبدالحق انصاری یادگاری خطبے میں کیا۔ انہوں نے مزید کہا کہ ڈاکٹر صاحب علم و تحقیق کے لیے ہر دم یکسو تھے، خواص کی دیچپی کے افکار و موضوعات کو مرکزی موضوع بناتے ہوئے کام کیا۔ اجلاس کا آغاز انسٹی ٹیوٹ کے لالہ علم حافظ اشہ نوازی تلاوت کلام یاک سے ہوا۔ نظامت

آل انڈیا یونیورسٹی کا نگریں کا 140 واں مفت یونیورسٹی یکل کیمپ دھن پوری میں لگایا گیا
کیمپ میں موتی بیماریوں اور پولیو شن سے محفوظ رہنے کے طریقے بتائے گئے

چلے چند پاپ بیروا، میلحا حسین،
پیشین علی اساروی، فیروز غازی، کاشن
ملک، سنتو شکپتا، آشیش، سنديپ
گپتا، اعزاز اور شخان نے یکمپ کو
کامیاب بنانے میں اہم کردار نبھایا۔
صفدر جنگ ہمپتال سے آنکھوں کے
ڈاکٹروں نے بھی مفت میں آنکھوں کا
چیک آپ کیا اور مشوروں سے نوازا۔
اس کے علاوہ آں انڈیا یونیورسٹی
کا انگریزی و ملی اسٹیٹ کے نائب صدر
ڈاکٹر الطاف احمد، آں انڈیا یونیورسٹی
کا انگریز ہماچل پردیش کے صدر
ڈاکٹر ایاس مظہر حسین، حکیم محمد رضا
دہلوی، حکیم عطاء الرحمن وغیرہ نے
خاص طور سے یکمپ میں اعزازی
خدمات پیش کیں۔ یکمپ میں بچوں
اور خواتین کی تعداد زیادہ تھی۔ اس
موقع پر حسب ضرورت مفت میں
یونیورسٹی دو ایکسیم کی کمیں نیز موکی
بیماریوں اور پولیوشن سے محفوظ رہنے
کے طریقے بھی بتائے گئے۔



نوجوان لیڈر علیم انصاری کے تعاون سے اہم کردار نبھایا۔ شہید یکمپ، دھنپوری، نئی بولی میں 140 واس مفت یونانی میڈیکل یکمپ سوشن ایکٹیو سٹ ایڈوکیٹ شاہ میں قاضی، کاشف رضا، سلمان علی، احسان علی اور معروف سماج وادی لیڈر قاضی عبدالپاسط کے تعاون سے لگایا گیا۔ اس موقع پر مقامی لیڈر راجیش چوہان، کوئسلر ارم سروپ کو نوجاہ، بھرت رام مال کوئی، امانت چوہان، منیش لال، ڈی ڈی نیوز سے وابستہ رہ گازی آباد) میں 20 ستمبر 2020 کو لگایا گیا جس کا افتتاح آل انڈیا یونانی طبی کا گریس کے قومی صدر پروفیسر مشتاق احمد نے کیا تھا اور آل انڈیا یونانی طبی کا گریس کے مکمل سکریٹری محمد عمران قوی جی نے اپنے رفقاء کے تعاون سے یکمپ کو کامیاب بنانے میں اہم کردار نبھایا۔ جنکے 100 میں 100 مفت یونانی میڈیکل یکمپ 'یونانی اپچار- جنا کے دوار، مشن 2025'، کے تحت لگانے کا عزم کیا گیا تھا۔ چنانچہ اس کے تحت پہلا یکمپ لوئی

بھارت چین تعلقات: محض نعروں سے مضبوط معاشی پالیسی کی طرف واپسی سے بنے گی بات

ہوتا ہوا دیکھنے کو ملا ہے، نیچتا بھارت سرکار کا تجارتی نقصان بڑھ کر تقریباً 99 بلین ڈالر تک جا پہنچا۔ یہ نقصان مخصوص کاغذی عدد بھر شیں تھا بلکہ بھارت کی صنعتی کمزوری اور اشیاء کے امپورٹ کے انحصار کی واضح عدمامت ہے گلوان ویلی میں نقصادم کے واقعے کے بعد بھارت نے چین کے خلاف سخت پالیسی کا روپ اپنایا۔ مقصود تھا یہ نیشنل سیکورٹی کے تین واضح پیغام دینا تھا اور عوامی جذبات کی ترجیحی بھی کرنی تھی۔ پھر کیا تھا، راتوں رات چینی کپنیوں پر قد غشیں لگادیا گیا، چینی اپنی پر باغی کسی تائیر کے پابندیاں لگادی گئیں اور سب سے بڑھ تر تھیں کیا مہرین کے ویزے بھی دینا تقریباً بند کر دیا گیا، یہ سب کچھ اسی پالیسی کا حصہ تھا۔

تسلیم کرتے ہوئے واپس اپنے موقف پر لوٹی ہوئی دکھائی دے رہی ہے۔ موجودہ اعداد و شمار کی حد تازیت کو پوری طرح واضح کرتے نظر آتے ہیں۔ آج کی تاریخ میں بھارت اور چین کے درمیان سالانہ و طرف تجارت تقریباً 127 سے 133 بلین ڈالر کے درمیان ہے۔ یہ جم (Volume) اس کے باوجود برقرار ہے کہ سرحدی کشی کی جانب سے چینی کاروباریوں اور پیشہ ور مہرین کے لیے ویزا پالیسی میں نزدی دراصل اس حقیقت کا عملی اعتراض ہے کہ خارجہ پالیسی مخصوص جذباتی بیانات، سیکورٹی اعلانات یا داخلی سیاست کے دباؤ پر نہیں چل سکتے ہیں۔ ایسی صورت میں معашی مفاد کو نظر انداز کرنے کی قیمت آخ کار ملک کو ادا کرنی پڑتی ہے، شاید بھی وجہ کہ بھارت سرکار اسی حقیقت پر ندی کو

نئی دلیل: تحریکیات اسلامی کے دائرے میں مولانا مودودی کے بعد اکٹھ عبد الحق انصاری نے علمی و فکری لحاظ سے کلیدی پیش تدمی کی کی ہے۔ آپ نے مناسب حکمت و تدبیر کے ساتھ مغربی نظام ہائے حکومت و سیاست کے صالح عناصر کی دریافت کا کام انجماد دیا۔ مرحوم کے علمی طریقہ کارکا کلیدی نتائج یہ ہی ہے کہ اسلام ایک نظام حیات ہے، جس کی ابتداء یہاں بال اللہ سے ہوتی ہے اور اختتام گوتمت الہیہ کے قیام پر ہوتا ہے۔ ڈاکٹر صاحب مرحوم نے اپنے علمی کاموں میں جدید مغربی علوم کے تحریکی لفظ و نظر سے بھی بھر پورا مستفادہ کیا، اس کے باوجود مغربی افکار و نظریات سے مارکوب نہیں ہوئے۔ آپ کی علمی و فکری خدمات کو مقصید زندگی کا اسلامی تصور، اسلام اور تصوف، مغربی نظریات کے جدید تناظرات اور ہندستانی مذاہب کا مطالعہ دعوت اسلامی کے خصوصی حوالے سے کے چار بڑے دائروں میں تقسیم کر سکتے ہیں۔“ ان خیالات کا اظہار ممتاز تحقیق اور معروف اسلامی اسکال پروفیسر کنور محمد یوسف امین، سابق پروفیسر شعبہ طب یونیورسٹی، علی گڑھ نے ۱۲ دسمبر ۲۰۲۵ بروز اتوار افضل حسین آئی ٹیوی یونیورسٹی میں ڈاکٹر ٹیوٹ آف اسلامک اسٹڈیز ریٹینڈر سیریز، فنی و ملی میں ڈاکٹر

उपजाऊ भूमि पर एथेनॉल प्लांट के विरोध में आंदोलनरत किसानों पर राजस्थान सरकार की बर्बर हिंसा की किसान सभा ने कड़ी निन्दा की, 16 किसान घायल

कुरुक्षेत्र राजस्थान सरकार द्वारा 10 दिसंबर 2025 को हनुमानगढ़ जिले की टिक्की तहसील में उपजाऊ भूमि पर अनाज-आधारित एथेनॉल प्लांट की स्थापना के विरोध में अंतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानों पर की गई बर्बर हिंसा की कड़े बद्दों में निंदा करती है।

अखिल भारतीय किसान सभा की कुरुक्षेत्र जिला समिति द्वारा आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए हरियाणा के राज्य अध्यक्ष, श्री बलबीर सिंह ने कहा कि राठीखेड़ा एवं आसपास के गांवों के हजारों किसान, अप्रैल 2024 से जारी 17 महीने लंबे आंदोलन के बावजूद राज्य सरकार द्वारा कोई सुनवाई न होने पर, महापंचायत करने के लिए एकत्र हुए थे। 10,000 से अधिक किसानों ने दो से चार फसली, समृद्ध भूमिकर्जे स्थानीय आजीविका की रीढ़ हैकूपर थापी जा रही इस परियोजना का विरोध किया।

श्री बलबीर सिंह ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा (ज़िड़) किसानों पर की गई इस दमनात्मक कार्रवाई की तीव्र निंदा करता है, जो कॉर्पोरेट घरानों और बहुरा द्रीय कंपनियों के हित में की गई है। उन्होंने कहा कि मोर्ची नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और 'डबल इंजन' राज्य सरकारें लगातार किसानों पर हमले कर रही हैं, उपजाऊ भूमि का जबरन अधिग्रहण कर रही है और देश को गंभीर खाद्य सुरक्षा संकट की ओर धकेल रही है।

उन्होंने अगे कहा कि अमेरिकी सामाज्यवादी ताकतों के दबाव में मोर्ची सरकार पक्षपाती मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से भारतीय को आयात के लिए खोलना चाहती है, जो कॉर्पोरेट एकाधिकारों के पक्ष में है और भारतीय किसानों के अस्तित्व के लिए घातक है। राजस्थान के किसानों के एथेनॉल प्लांट विरोधी संघ साथ पूर्ण एकजुटा और समर्थन व्यक्त करता है।

किसान सभा ने केंद्र और राज्य सरकारों को लोकतांत्रिक जन आंदोलनों के दमन और ज्वलंत समस्याओं के प्रति असंवेदनशीलता के खिलाफ चेताया। उसने अपनी इस मांग को दोहराया कि किसी भी सूरत में उपजाऊ भूमि को औद्योगिक उद्देश्यों के लिए परिवर्तित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।



प्रस्तावित परियोजना के लिए 2020 में कुछ किसानों से स्थानीय रोजगार का झूठा आश्वासन देकर भूमि खरीदी गई थी। वास्तविकता यह है कि यह परियोजना पशुपालन और पर्यावरण को न टकराएगी।

खाद्यान्न से एथेनॉल उत्पादन में मैशिंग और किण्वन के लिए भूजल की अत्यधिक मात्रा की आवश्यकता होती है। प्रति लीटर एथेनॉल के लिए लगभग 10 से 17 लीटर पानी खर्च होता है। 13,20,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले इस प्लांट द्वारा प्रतिदिन उससे 10-12,715 गुना अधिक भूजल निकाला जाएगा, जिससे अपूरणीय क्षणण होगा।

इसके अतिरिक्त, एथेनॉल उत्पादन का लगभग 90: विपौल अपशि ट होता है, जिसमें माइक्रोटॉक्सिन, भारी धातुएं, बायो-एमाइन्स, जैविक एल्डिहाइड, अम्ल, कीटनाशक अवशेष और विपौल गैसें शामिल

हैं। ये प्रदूषक अन्यायी जल स्रोतों और हवा को करते हैं, जिससे मनु यों और पशुओं के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा होता है। सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था न होने पर यह कचरा अवसर भूमिगत कुओं में डाला जाता है, जिससे भूजल स्थायी रूप से जहरीला हो जाता हैकूजैसा कि पंजाब के जीरा में देखा गया, जहां व्यापक किसान आंदोलनों के बाद एथेनॉल प्लांट बंद करना पड़ा। प्रस्तावित 40 मेगावाट सह-उत्पादन विद्युत संयंत्र में पराली जलाई जाएगी, जिससे विपौल गैसें और प्रतिदिन 220 किवंटल से अधिक जहरीली राख उत्पन्न होगी। राख के निस्तारण के लिए कोई वैज्ञानिक तंत्र नहीं है, जिससे मिट्टी की उर्वरता को भारी नुकसान पहुंचेगा। जहां देशभर में किसान साल में एक बार पराली जलाने पर अपराधी ठहराए जाते हैं, वहीं ठश्च सरकार इस औद्योगिक इकाई को रोज पराली जलाने की अनुमति

दे रही हैकूयह उसका खुला दोहरापन है। यह परियोजना ₹20 एथेनॉल ब्लैंडिंग कार्यक्रम के अंतर्गत आती है। चंडीगढ़ स्थित ड्यून एथेनॉल प्रा. इवेट लिमिटेड द्वारा लगभग 40 एकड़ भूमि अदि प्रगति की गई है। 16 जून 2021 को पर्यावरण, वन एवं जलवाया परिवर्तन मंत्रालय ने 1320 के लिए एथेनॉल प्लांट और 40 मेगावाट सह-उत्पादन विद्युत संयंत्र को पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की।

यह क्षेत्र घग्गर नदी बेसिन में स्थित है एक-आश्रित, बाढ़-प्रवण और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील इलाका। यह राजस्थान के गिने-बुने होते हैं क्षेत्रों में से एक है, जहां साल में दो से चार फसलें होती हैं और व्यापक पशुपालन से लाखों लोगों की आजीविका चलती है। किसानों को अब समझ आ गया है कि रोजगार के बजाय यह परियोजना उनकी उपजाऊ भूमि को बंजर में बदल देगी।

आंदोलन अप्रैल 2024 में हुआ। सरकार ने अदिक मुआवजे का प्रस्ताव देकर किसानों को करने की कोशिश की, जिसे किसानों ने सिरे से खारिज कर दिया। 25 नवंबर 2025 को बैठक तय थी, लेकिन उससे पहले 19 नवंबर को भारी पुलिस बल तैनात कर प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

परिणामस्वरूप 10 दिसंबर की महापंचायत में लगभग 15 गांवों के किसानों ने भाग लिया। जब पुलिस ने लाठीचार्ज किया तो स्थिति बिगड़ गई। इसके परिणामस्वरूप 16 किसान गंभीर रूप से घायल हुए और 40 से अधिक किसानों को गिरफ्तार किया गया। अखिल भारतीय किसान सभा, भजनलाल सरकार से जोरदार मांग करती है कि किरूसपी गिरफ्तार किसानों को तत्काल रिहा किया जाए, घायलों को समुचित मुआवजा एवं विकित्सा सुविधा प्रदान की जाए, किसानों की एक्शन कमेटी के साथ वास्तविक संवाद किया जाए, उपजाऊ भूमि पर प्रस्तावित एथेनॉल प्लांट परियोजना को रद्द किया जाए।

महापंचायत द्वारा 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया, जिसने सर्वसम्मति से अमरजीत सिंह को संयोजक तथा मेवा सिंह, राजविंदर सिंह चंदी और राजबीर हथीरा को सह-संयोजक चुना।

मुख्यमंत्री ने भावान्तर भरपाई योजना के तहत 380 करोड़ रुपये बाजारा उत्पादक किसानों के लिए जारी किये



के साथ-साथ खाद्य, बीज, ऋण और उपकरणों के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता भी घर बैठे मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि खरीद सीजन-2025 की फसलों को प्राकृतिक आपदा से दुरु नुकसान के लिए 53 हजार 821 किसानों को 116 करोड़ 51 लाख रुपये से अधिक की राशि मुआवजे के रूप में जारी की गई।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आवियाने को जड़ से खत्म कर दिया है। यहीं नहीं किसानों की तरफ पिछले आवियाने का 133 करोड़ 55 लाख 48 हजार रुपये बकाया माफ किया गया। उन्होंने कहा कि सबको पता है कि हमारी सरकार ने गन्ने का भाव बढ़ाकर 415 रुपये प्रति विवर्टल तक किया है, जो कि देश में सर्वाधिक है।

श्री नायब सिंह सैनी ने किसानों के हित में लिए गए अन्य फसलों की जानकारी देते हुए बताया कि फसलों की ऑनलाइन बिक्री के लिए प्रदेश की 108 मिडियों को ई-नाम (ई-डॉड) पोर्टल से जोड़ा गया। पिंजौर में एशिया की सबसे बड़ी आधुनिक सेब, फल एवं सब्जी मर्डी जुरू की गई है। हरियाणा ऑप्रेशनल पायलट परियोजना के अन्तर्गत राज्य में अब तक 1 लाख 54 हजार 985 एकड़ भूमि का सुधार किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती योजना के तहत 3,873 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए

19,723 किसानों का सत्यापन किया जा चुका है। इस योजना के अन्तर्गत 2500 किसानों को 4 ड्रॉम प्रति किसान की दर से 75 लाख रुपये, 523 देसी गाय की खरीद के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपये अनुदान राशि सीधा किसान के बैंक खाते में स्थानांतरित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र लघु और सीमांत किसान परिवारों को 6 हजार रुपये वार्षिक दर से 20 लाख 18 हजार किसानों के खातों में 7233 करोड़ रुपये डाले गये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 33 लाख 51 हजार से अधिक किसानों को 9127 करोड़ रुपये बीमा करेम के रूप में दिए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में, किसानों की पैक्सों की तरफ बकाया अतिदेश ऋण की समस्या के समाधान के लिए एकमुश्त निपटान योजना जुरू की गई। इस योजना के तहत प्रदेश के 6 लाख 81 हजार 182 किसानों और गरीब मजदूरों का 2 हजार 266 करोड़ रुपये का व्याज बायो किया है। इसके अलावा, एकमुश्त निपटान योजना के तहत 4 लाख 10 हजार किसानों का 1314 करोड़ रुपये का व्याज व जुर्माना बायो किया गया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों को बायोगैस प्लांट पर 9800 रुपये से लेकर 22,750 रुपये प्रति प्लांट अनुदान दिया जाता है। अनुसूचित जाति व जनजाति के किसानों को बायोगैस प्लांट

पर 17,000 रुपये से लेकर 29,250 रुपये प्रति प्लांट अनुदान दिया जाता है। अनुसूचित जाति के किसानों को बैठरी चालित स्प्रेप पम्प पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। सोलर पम्प लगाने के लिए किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि बैंकों से किसानों के लेनदेन पर लगने वाली स्टाम्प फीस 2000 रुपये से घटाकर 100 रुपये की गई है। उन्होंने बत

مرکزی تعلیمی بورڈ کا دو روزہ کل ہند تربیتی و تھیمی پروگرام برائے معلیمین و معلمات اختتام پذیر

بھر پورا وجہ دی جاتی ہے۔ میں اس کی اہمیت سے انکا نہیں کرتا، لیکن اس کے ساتھ ساتھ بچوں کی دینی تعلیم و تربیت کی فکر بھی اہمیتی ضروری ہے، اور ہر چوتھی مکاتب اس ضرورت کو پورا کرنے کا بہترین ذریعہ ہیں۔ معلمین کا کام صرف ایک گھنٹہ پڑھادیں یا نہیں بلکہ بچوں کی شخصیت سازی اور انھیں حسن اخلاق سے آرائتے کرنا اصل ذمہ داری ہے۔“ کلیدی خلیفہ پیش کرتے ہوئے پروفیسر حسن عثمانی ندوی نے کہا: ”آج ہندوستان میں مسلمان ناگفتگی پر حالات سے دوچار ہیں، جس کی سب سے بڑی وجہ انسیائی شن سے دوری ہے۔ ہر چوتھی مکاتب کے ذریعہ نسل نو کی تربیت کے لیے اس مشن کو دوبارہ زندہ کیا جا سکتا ہے۔ اسی کے ذریعے ملت اسلامیہ کو عزت و قاریں سکتا ہے۔ لہذا تعلیم و تربیت کے ذریعے بچوں میں پیغمبر اہم مشن کو زندہ کیا جائے۔“ مولانا انعام اللہ فلاحی نے اظہار خیال کرتے ہوئے کہا کہ ہماری تیار کردہ نصابی کتب کا مقصد صرف عربی مکھانا نہیں بلکہ طلبہ میں بنادی و عین شعور پیدا کرنا ہے۔



اس اتنے کو چاہیے کہ وہ طلبہ کے ساتھ زمی، مشقتوں اور ہمدردی کا سید توبیر احمد نے اپنی افتتاحی کنٹکٹو میں کہا: "آن پھوٹ کو نیتی، بے ای ای وغیرہ جیسے کوئی سریں داخلے کے لیے تیار کرنے پر رہنمائی کریں۔" پروگرام کا آغاز مولانا انعام الحق قاسمی کی تذکیر

نئی دہلی: جماعت اسلامی ہند کے تحت مرکزی تعلیمی بورڈ کی جانب سے منعقدہ دورہ زدہ "کل ہند تربیتی و تعلیمی پروگرام برائے معلمین و معلمات و ذمہ داران جزوی مکاتب" آج اختتام پذیر ہوا۔ اس پروگرام میں ملک کی مختلف ریاستوں سے جزوی مکاتب کے معلمین، معلمات اور ذمہ داران نے شرکت کی اور مکاتب میں طریقہ تدریس سے متعلق تربیت حاصل کی۔ اس موقع پر جماعت اسلامی ہند کے نائب امیر پروفیسر سلیم انجیزیر نے اپنے اختتامی خطاب میں کہا: "پچھوں کی تعلیم و تربیت ایک حساس عمل ہے۔ اساتذہ نسل نو مسماقیں کے لیے تیار کرتے ہیں، یا ایک عظیم ذمہ داری اور امانت ہے۔ اس ذمہ داری کو صحیح طور پر ادا کرنے کے لیے اساتذہ کو لمحہ پکھنے نیا سبقتھ رہنے کی ضرورت ہے۔ اس ملک میں اقامت دین کی راہ ہموار کرنے کے لیے سب سے آسان راستہ جزوی مکاتب کا قائم اور نسل نو کی اسلامی تعلیم و تربیت ہے۔ لہذا اس اہم خدمت کو معمولی نہ سمجھیں بلکہ اسے اپنے دینی فریضے کے طور پر احترام دیں۔"

والس چانسلر جامعہ ہمدرد کا مخطوطاتی ورثے کے تحفظ کے عزم کا اظہار

جن کی فرائد لانہ حمایت اور بروقت اقدامات کے نتیجے میں
جامعہ ہمدرد کو مخطوطاتی ورثے کے لیے کلکٹر سینٹر نامزد کیا
گیا۔ ڈاکٹر اختر پرویز نے کہا کہ گیان بھارتم کے تحت کلکٹر
سینٹر کی حیثیت سے جامعہ ہمدرد مخطوطات کے منظم سروے
اور فہرست سازی، حفاظتی و علاجی مرمت، صلاحیت سازی
کی ورکشاپس، مخطوطات کی ڈیجیٹائزیشن اور انہیں نیشنل
ڈیجیٹل ریپوزرٹری سے مر بوک کرنے، نیز نقل صوت، ترجمہ،
تعمیقیدی متنوں کی تیاری، تحقیق، اشاعت، نمائشوں اور وسیع تر
عوای رابط سرگرمیوں کو انجام دے گی۔ یہ شراکت جامعہ
ہمدرد کے لیے ایک اتفاقی قدم ہے، جو یونیورسٹی کو مخطوطاتی
مطالعات، ڈیجیٹل ہیپو میٹیز اور شفافی تحفظ کے میدان میں
مصنف اول میں لاکھڑا کریتی ہے۔ کلکٹر سینٹر کے قیام سے
تحقیقین اور طلبہ کے لیے تحقیق و تربیت کے منے موقع پیدا
ہوں گے اور نارو تیقینی علمی روایات تک تو می اور بین الاقوامی
مطحح پر رسمی ممکن ہو سکے گی۔ جامعہ ہمدرد آئندہ نسلوں کے
لیے بھارت کے مخطوطاتی ورثے کے تحفظ کے مشترکہ وثائق کو
آگے بڑھانے کے لیے گیان بھارتم کے ساتھ قریبی تعاون
کی خواہاں سے۔



پروفسر ایم اے سکندر، ڈاکٹر یکٹر، سینٹر فار ڈیفنس ایڈنڈ آن لائنس ایجوکیشن، جامعہ ہمدرد، اور پروفیسر ریاض عمر، رکن میگزینیکس کوئسل، جامعہ ہمدرد نے باقاعدہ طور پر دستخط شدہ ایم دی ویا اس چانسلر جامعہ ہمدرد پروفیسر (ڈاکٹر) ایم افشار عالم کو پیش کیا۔ جامعہ کے سینئر عہدیداران سے گفتگو کے دوران واس چانسلر پروفیسر (ڈاکٹر) ایم افشار عالم نے کہا کہ وزارت ثقافت کے ساتھ ہے اشتراک جامعہ ہمدرد کے لیے

نئی دہلی: جامعہ ہمدرد (ڈیمڈ ٹوبی یونیورسٹی) نے آج وزارت ثقافت، حکومت ہند کے فلیگ شپ پروگرام ”گلیان بھارکم“ کے ساتھ ایک مقاہی پارک ایجاد کیا ہے جس کا مقصد بھارت کے مخطوطاتی ورثے کے تھفظ، مرمت، ڈیجیٹائزیشن، ترجیمہ اور تحقیق کے لیے قومی سٹرپ پر جاری کوششوں کو مزید موضوع بنانا ہے۔ اس ایمی ایڈو پر سختگیری کے ساتھ ہی جامعہ ہمدرد کو باضابطہ طور پر ”کلکشن سینٹر“ کا درج دے دیا گیا ہے۔ اس حیثیت میں جامعہ ہمدرد نہ صرف اپنے مخطوطاتی دخार سے متعلق سرگرمیوں کی قیادت کرے گی بلکہ ملک بھر میں قائم میں تک ملٹری پاٹریٹری مارکیز کی رہنمائی، نگرانی اور ہم آہنگی کی ذمہ داری بھی ادا کرے گی۔ ایمی ایڈو پر وزارت ثقافت کے ڈائریکٹر شری اندر جیت سکھ اور جامعہ ہمدرد کے جسٹس ار (قائم مقام) ڈاکٹر سرفراز احسن نے وتحظیت کیے۔ اس موقع پر ڈاکٹر اختر پروین، یونیورسٹی ایکٹری بریئ، جامعہ ہمدرد؛ پروفیسر اسیر بان داس، پروجیکٹ ڈائریکٹر؛ اور مسٹر بھارت کمار، انڈر سیکریٹری، گلیان بھارکم، وزارت ثقافت، حکومت ہند بھی موجود تھے۔ اس موقع پر ڈاکٹر اختر پروین، ڈاکٹر سرفراز احسن،

ج 2026: مرکزی وزیر اقیتی امور کرن رجھو کی عازمیں حج سے بروقت درخواست اور مجاز آپریٹر کے انتخاب کی اپیل



انظمامات کی پیشگویی منصوبہ ہندی نہایت ضروری ہے، تاکہ سعودی عرب میں قیام کے دوران عازمین کو بہتر خدمات فراہم کی جاسکیں۔ وزارت اقیانیت امور نے تمام متوقع عازمین حج سے گزارش کی ہے کہ وہ جاری کردہ ہدایات پر عمل کریں، مقررہ وقت کے اندر اپنی درخواست اور بینک مکمل کریں اور کسی بھی قسم کی معلومات یا رہنمائی کے لیے صرف مستند سرکاری ذرائع سے رجوع کریں، تاکہ حج 2026 کا یہ مقدس سفر خوش اسلوبی اور اطمینان کے ساتھ انجام دیا جا سکے۔

اور جسڑا ذریعے ہی بینک کرائیں، تاکہ کسی بھی قسم کی دھوکہ دیں، غیر عیاری خدمات یا قانونی یچیدگیوں سے محفوظ رہا جا سکے۔ وزارت اقیانیت امور کے مطابق مجاز آپریٹر کی فہرست متعلقہ سرکاری پلیٹ فارماز پر متنیاب ہے اور عازمین کو کسی غیر مصدقہ ادارے یا فرد کے جہانے میں نہیں آنا چاہیے۔ جناب کرن رنجیو نے کہا کہ حکومت ہند کا مقصد حج کے سفر کو زیادہ سے زیادہ شفاف، محفوظ، سہل اور عازمین کے لیے آرام دہ بنانا ہے۔

اکی ای مقصود کے تحت حج متعلقہ تمام

نئی دہلی: مرکزی وزیر برائے اقتصادی امور جناب کرن رجیو نے ہج 2026 کے سلسلے میں ایک اہم سرکر جاری کرتے ہوئے عازمین ہج سے پہلی کی ہے کہ وہ اپنے مقدس سفر کی منصوبہ بندی بروقت کریں، جلد درخواست ہج کرائیں اور صرف مجاز ہج گروپ آرگانائزرز (HGOs) یا پارائیسویٹ ٹور آپریٹرز (PTOs) کا ہی انتخاب کریں۔ مرکزی وزیر نے واضح کیا کہ 15 جون 2026 تک بروقت بیک کرانے سے آخری لمحات میں پیش آنے والی مشکلات سے بچا جا سکتا ہے اور ہج کے دوران رہائش، سفری انتظامات، نقل و حمل اور دیگر سہولیات کو بہتر اور منظم انداز میں لینی بنا یا جا سکتا ہے۔ انہوں نے کہا کہ تاثیری درخواست دینے کی صورت میں محمد سہولیات، اضافی اخراجات اور انتظامی مسائل کا سامنا کرنا پڑ سکتا ہے۔ سرکر میں اس بات پر خصوصی تزویر دیا گیا ہے کہ عازمین صرف حکومت ہند کا جانب سے محفوظ شدہ



نئی دہلی: اردو ڈی یو پیمنٹ آرگانائزیشن (یوڈی او) کی ایک اہم نشست دریا گنخ، نئی دہلی میں مععقد ہوئی، جس کی صدارت آں انڈیا بلی کا گریس کے سکریٹری جنرل اور معروف حکیم ڈاکٹر سید احمد خان نے کی۔ اجلاس میں اردو زبان و ادب کے فروغ میں ریاستی اردو اکادمیوں کے کردار اور ان کی بطوری ہوئی صورت حال پر سمجھیدہ گفتگو کی گئی۔ اجلاس میں بتایا گیا کہ اردو اکادمی دہلی سمیت بہار، اتر پردیش، راجستھان اور دیگر ریاستوں کی اردو اکادمیوں کو مستقل عملے کی کی اور انتظامی تقریروں میں تاخیر جیسے مسائل کا سامنا ہے۔ جس کے باعث ان کی کارکردگی متناہی ہو رہی ہے۔ شرکاء نے اردو جیسی اہم اور موتھر زبان کے تینیں ریاستی حکومتوں کے غیر سمجھیدہ روئے پر گھری تشویش کا اعلیٰ